मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 240
बुधवार, 18 मार्च 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

लोकसभा में खत्म हुआ गतिरोध, विपक्ष के 8 सांसदों का निलंबन रद्द, सरकार-विपक्ष में बनी सहमति

नई दिल्ली, 17 मार्च। लोकसभा ने मंगलवार को ध्वनि मत के माध्यम से विपक्ष के आठ संसद सदस्यों का निलंबन रद्द कर दिया। संसदीय मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने प्रस्ताव पेश किया, जब कांग्रेस के मुख्य सचेतक के. सुरेश ने कुछ सदस्यों की अनजाने में हुई गलती पर खेद व्यक्त किया। समाजवादी पार्टी के धर्मेंद्र यादव और राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी (एसपी) की सुप्रिया सुले ने इसका समर्थन किया। 3 फरवरी को, बजट सत्र के पहले भाग के दौरान लोकसभा द्वारा पारित एक प्रस्ताव के बाद, सात कांग्रेस सांसदों और एक सीपीआई (एम) सांसद को अनुशासनहीन व्यवहार के लिए निलंबित कर दिया गया था।

निलंबित सांसदों में कांग्रेस के मणिकम टैगोर, अमरिंदर सिंह राजा वडिंग, गुरजीत सिंह औजला, हिबी ईडन, डीन कुरियाकोस, प्रशांत पडोले, किरण कुमार रेड्डी और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के एस. वेंकटेशन शामिल हैं। निलंबन के बाद से ये सांसद कार्यवाही वाले दिन संसद के मकर द्वार पर धरना दे रहे थे। इस बीच, लोकसभा सचिवालय ने सांसदों को संसद परिसर में मयार्दा बनाए रखने के संबंध में एक बुलेटिन जारी किया। इसमें दिशानिर्देश 124ए(2)(3) का हवाला दिया गया है, जो संसद परिसर के क्षेत्र और मार्ग को सांसदों के लिए खुला और निर्बाध बनाए रखने के लिए कुछ गतिविधियों पर रोक लगाता है। बुलेटिन में विशेष रूप से कहा गया है कि परिसर में हथियार, झंडे, पोस्टर, लाठी, भाला, तलवार, डंडे और ईंट आदि ले जाना निषिद्ध है।

सांसदों को बार-बार निर्देश दिया गया है कि वे पोस्टर, तख्तियां या बैनर न लाएं और न ही उन्हें प्रदर्शित करें।

इसके अलावा, बुलेटिन में कहा गया है कि कुछ मामलों में पोस्टर और तख्तियों पर एआई-जनित आपत्तिजनक चित्र, तस्वीरें और नारे प्रदर्शित किए गए हैं। सांसदों को एक बार फिर निर्देश दिया गया है कि वे दिशानिर्देश 124ए(2)(3) और अन्य प्रासंगिक नियमों का कड़ाई से पालन करें ताकि अनुशासनात्मक कार्रवाई से बच सकें। कांग्रेस ने सोमवार को आठ विपक्षी सांसदों के निलंबन का विषय लोकसभा में उठाया और अध्यक्ष ओम बिरला से आग्रह किया कि इन सभी का निलंबन रद्द किया जाए। विपक्षी दलों ने पिछले सप्ताह भी सरकार और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से आग्रह किया था कि आठ विपक्षी सांसदों का निलंबन रद्द किया जाए।

पश्चिम बंगाल चुनाव से पहले चुनाव आयोग का बड़ा एक्शन, 19 सीनियर आईपीएस अफसरों का तबादला

कोलकता, 17 मार्च। आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों में तेजी आने के साथ ही, चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में 19 वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के तबादलों का एक नया दौर शुरू किया है। प्रमुख तबादलों में, आईपीएस अधिकारी राजेश कुमार सिंह को दक्षिण बंगाल का नया अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी) नियुक्त किया गया है। के. जयरामन उत्तर बंगाल के एडीजी का कार्यभार संभालेंगे। आधिकारिक बयान के अनुसार, दोनों अधिकारी 1997 बैच के हैं। कई नए पुलिस आयुक्तों की तैनाती भी महत्वपूर्ण शहरी क्षेत्रों में की गई है। प्रणव कुमार अब पश्चिम बर्धमान जिले के आसनसोल-दुर्गापुर के पुलिस आयुक्त के रूप में कार्यभार संभालेंगे। अखिलेश कुमार चतुर्वेदी को हावड़ा का पुलिस आयुक्त बनाया गया है, जबकि अमित कुमार सिंह उत्तर 24 परगना के बैरकपुर जिले

के प्रमुख होंगे।

सुनील कुमार यादव को हुगली जिले के चंदननगर का पुलिस आयुक्त बनाया गया है। इसके अलावा, चुनाव आयोग ने कई जिलों के नेतृत्व में फेरबदल के आदेश दिए हैं। 12 जिलों में नए पुलिस अधीक्षकों की नियुक्ति की गई है। पुष्पा बारासात, जसप्रीत सिंह कूच बिहार और सूर्य प्रताप यादव बीरभूम में कार्यभार संभालेंगे। कुमार सनी राय को हुगली ग्रामीण में तैनात किया गया है, जबकि ईशानी पॉल डायमंड हार्बर की देखरेख करेंगी। सचिन को मुर्शिदाबाद और अलकनंदा भवाल को बसीरहाट में नियुक्त किया गया है। अन्य नियुक्तियों में अनुपम सिंह को मालदा, अंशुमन साहा को पूर्वी मेदिनीपुर और सुरिंदर सिंह को जंगीपुर में नियुक्त किया गया है। राकेश सिंह इस्लामपुर के पुलिस अधीक्षक के रूप में कार्य करेंगे और पापिया सुल्ताना को पश्चिम मेदिनीपुर में नियुक्त किया गया है।

कोलकाता में वाईएस जगन्नाथराव को पुलिस उपायुक्त (केंद्रीय) नियुक्त किया गया है। चुनाव आयोग ने निष्पक्ष चुनाव कराने की प्रतिबद्धता जताई है। चुनाव आयोग ने तबादलों को तत्काल लागू करने का निर्देश दिया है और अनुपालन की रिपोर्ट 18 मार्च को सुबह 11 बजे तक देनी होगी। स्थानांतरित किए गए अधिकारियों को चुनाव संबंधी कार्य नहीं सौंपे जाएंगे।

मणिपुर में सुरक्षा बलों की बड़ी कार्रवाई, भारत-म्यांमा सीमा के पास 5 उग्रवादी गिरफ्तार

मणिपुर, 17 मार्च। मणिपुर के तेंगनौपाल जिले में भारत-म्यांमा सीमा के पास पांच उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, ये उग्रवादी पीआरईपीएके (पीपुल्स रिवोल्यूशनरी पार्टी ऑफ कांगलीपाक, केवाईकेएल (कांगलेई यावोल कन्ना लूप) और ह्यकांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (एमएफएल) से जुड़े हैं। ये गिरफ्तारियां रविवार को मोरेह पुलिस थाना क्षेत्र से की गईं।

वहीं, एक अलग अभियान में सुरक्षा बलों ने जिले के बोलजांग पहाड़ी क्षेत्र से विस्फोटक और छोटे हथियार बरामद किए। पुलिस ने बताया कि जब्त की गई वस्तुओं में आठ आईईडी, एक पिस्तौल, एक पिस्तौल की मैगजीन, एक मोर्टार, दो रेडियो सेट और नौ कारतूस शामिल हैं। पुलिस ने कहा कि बरामद की गई आईईडी को सुरक्षा प्रोटोकॉल और मानक संचालन प्रक्रियाओं के अनुसार घटनास्थल पर ही नष्ट कर दिया गया। भारत-म्यांमा सीमा पर हाल के दिनों में बढ़ी हलचल को देखते हुए सुरक्षा बल हाई अलर्ट पर हैं। उग्रवादियों की गिरफ्तारी और हथियारों की बरामदगी को सुरक्षा तंत्र की एक बड़ी जीत माना जा रहा है, जिससे क्षेत्र में संभावित हिंसक गतिविधियों को टालने में मदद मिली है।

कांग्रेस सिर्फ बोट बैंक की राजनीति करती रही, गरीबी नहीं हटाईः शिवराज

नई दिल्ली, 17 मार्च। केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राज्यसभा में विपक्ष पर तीखा हमला बोला। उन्होंने ग्रामीण रोजगार योजनाओं के नाम बदलने को लेकर विपक्ष पर छोटी राजनीति करने और मोदी सरकार के तहत गरीबी में जी रहे लोगों को मिले वास्तविक लाभों को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मूल रूप से एनआरईजीए) में किए गए बदलावों को लेकर हो रही आलोचनाओं का जवाब देते हुए चौहान ने कहा कि यह योजना महात्मा गांधी के नाम के बिना शुरू की गई थी। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने राजनीतिक लाभ के लिए बाद में उनका नाम जोड़ा।

उन्होंने बताया कि कई योजनाओं का नाम गांधी परिवार के पूर्व प्रधानमंत्रियों - जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी - के नाम पर रखा गया है। उन्होंने दावा किया कि इससे एक परिवार की छवि को बढ़ावा मिलता है। जब कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम का उदाहरण देकर इसका खंडन किया, तो केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने हस्तक्षेप करते हुए स्पष्ट किया कि इसका नामकरण एक निजी संस्था द्वारा किया गया था, न कि सरकारी निधि से।

चौहान ने पश्चिम बंगाल के लिए ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा आवंटित धनराशि का मुद्दा उठाकर बहस को और बढ़ा दिया। तब तृणमूल कांग्रेस सांसद सुखेन्दु शेखर रॉय ने व्यवस्था का प्रश्न उठाते हुए पूछा कि क्या सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र को राज्य को लंबित धनराशि जारी करने का निर्देश दिया है। प्रमुख पहलों का बचाव करते हुए, चौहान ने गरीब परिवारों को स्वास्थ्य सेवा

प्रदान करने के लिए आयुष्मान भारत योजना की प्रशंसा की। उन्होंने व्यंग्यपूर्वक कांग्रेस से पूछा कि आपने किसकी गरीबी दूर की? आप तो सिर्फ वोट बैंक की राजनीति में लगे रहे।

चौहान ने कहा कि वह महापुरुषों का सम्मान करते हैं और उनके नाम सम्मान के साथ लेते हैं। उन्होंने सवाल किया कि कांग्रेस ने नेता जी सुभाषचंद्र बोस, झांसी की रानी लक्ष्मीबाई, चंद्रशेखर आजाद, बिस्मिल, भगत सिंह और पूरे देश को एक सूत्र में बांधने वाले सरदार वल्लभ भाई पटेल के नाम पर कितनी योजनाओं का नाम रखा? उन्होंने कहा कि बजट में 95,000 करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान वीबी जी राम जी योजना के लिए किया गया। राज्य सरकारों ने भी अपने अपने बजट में योजना के लिए प्रावधान किए हैं।

चौहान ने कहा कि देश की आर्थिक स्थिति निरंतर मजबूत हो रही है, केंद्र के साथ ही राज्य भी आर्थिक रूप से मजबूत हो रहे हैं और केंद्र की ओर से राज्यों को उनकी हिस्सेदारी भी दी जा रही है। उन्होंने कहा कि वीबी जी राम जी योजना के लिए झारखंड में बजट में 1986 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया।

पंजाब में 610 करोड़ 40 लाख रुपये का प्रावधान किया गया। जम्मू कश्मीर में 216 करोड़ रुपये और हिमाचल प्रदेश में योजना के लिए 143 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। ये वे राज्य हैं जहां हमारी पार्टी की सरकार नहीं है।

जींद के श्याम सुंदर हत्याकांड के 11 दोषियों को मिली उम्रकैद, परिवार को 5 साल बाद मिला न्याय

जींद, 17 मार्च। वर्ष 2021 में सीमेंट कारोबारी श्याम सुंदर बंसल की गोली मारकर की गई क्रूर हत्या के मामले में अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश जयबीर सिंह की अदालत ने सोमवार को ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। अदालत ने कुल 11 आरोपियों को दोषी करार देते हुए आजीवन कठोर कारावास (उम्रकैद) की सजा सुनाई है। साथ ही प्रत्येक दोषी पर कुल 75,000 रुपये का जुमार्ना लगाया गया है। जुमार्ना समय पर न चुकाने पर दोषियों को अतिरिक्त 2 वर्ष का कठोर कारावास भुगतना होगा। यह फैसला जींद पुलिस की तेज और ठोस जांच तथा उप जिला न्यायवादी सुरेंद्र खटखड़ की मजबूत पैरवी का नतीजा है। मामले ने उस समय पूरे क्षेत्र में सनसनी फैला दी थी और व्यापारिक समुदाय में भय का माहौल पैदा कर दिया था। बता दें कि 23 नवंबर 2021 को जींद के रोहतक रोड स्थित चौड़ी गली इलाके में श्याम सुंदर बंसल अपने कार्यालय के बाहर कुर्सी पर बैठे थे। उनके साथ भतीजा हन्नी बंसल और भाई अंकुश भी मौजूद थे। अचानक तीन नकाबपोश हमलावरों ने अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। गोलीबारी में श्याम सुंदर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि हन्नी बंसल के पैर में गोली लगने से वे गंभीर रूप से घायल हो गए। हन्नी बंसल की शिकायत पर थाना शहर जींद में मुकदमा नंबर 592/2021 दर्ज किया गया। इसमें भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या), 307 (हत्या का प्रयास), 120बी (आपराधिक षड्यंत्र), 34 (साझा इरादा) तथा शस्त्र अधिनियम की धारा 25 के तहत आरोप लगाए गए थे।

होर्मुज डील पर भारत का इंकार, कहा- कोई बातचीत नहीं हुई

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने उस खबर को पूरी तरह खारिज कर दिया है जिसमें कहा गया था कि ईरान ने Strait of Hormuz से सुरक्षित रास्ता देने के बदले भारत से तीन जहाज लौटाने की मांग की है। टएअ के प्रवक्ता Randhir Jaiswal ने कहा कि ऐसी कोई बातचीत भारत और ईरान के बीच नहीं हुई है और ये रिपोर्ट बिल्कुल बेबुनियाद है। उन्होंने यह भी साफ किया कि जिन जहाजों की बात हो रही है, वे न तो ईरान के हैं और न ही उनमें ईरानी कर्मचारी हैं।

भारत ने बताया कि उसका मुख्य ध्यान इस समय होर्मुज क्षेत्र में फंसे जहाजों और भारतीय नागरिकों को सुरक्षित वापस लाने पर है।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37

* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg.
Near Diamond Talkies,
L.T. Road, Borivali (West)
Mumbai - 400 092
Maharashtra

ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
Std. XI & XII (Sci.)
NEET
JEE (Main & Advance)
MHT-CET
Polytechnic & Engg
Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

दूषित जलः विकास के दावों पर एक गंभीर प्रश्न

-ललित गर्ग

अक्सर कहा जाता है कि जल ही जीवन है। किंतु यदि यही जल दूषित हो जाए तो क्या उसे जीवन का आधार कहा जा सकता है? सच तो यह है कि दूषित जल जीवन को बचाने के बजाय उसे संकट में डाल देता है। आज भारत सहित पूरी दुनिया में स्वच्छ जल की उपलब्धता एक बड़ी चुनौती बनती जा रही है। विडंबना यह है कि जिस देश में नदियों को माता का दर्जा दिया जाता है और जल को जीवन का मूल तत्व माना जाता है, वहीं करोड़ों लोग आज भी स्वच्छ पेयजल से वंचित हैं। यह स्थिति केवल संसाधनों की कमी का परिणाम नहीं है, बल्कि कहीं न कहीं नीतिगत कमजोरियों, प्रशासनिक उदासीनता और विकास के असंतुलित मॉडल की भी देन है। पिछले कुछ वर्षों में भारत सरकार ने पेयजल की उपलब्धता बढ़ाने के लिए कई महत्वाकांक्षी योजनाएं शुरू की हैं। वर्ष 2019 में आरंभ हुआ जल जीवन मिशन इसी दिशा में एक बड़ा कदम माना गया। इस योजना का उद्देश्य था कि देश के हर ग्रामीण परिवार को नल के माध्यम से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जाए। इसके अतिरिक्त नदियों की स्वच्छता के लिए नमामि गंगे जैसी परियोजनाएं भी शुरू की गई। इन योजनाओं के कारण पाइपलाइन के माध्यम से जल आपूर्ति में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। जहां वर्ष 2019 में केवल लगभग 16.7 प्रतिशत ग्रामीण घरों तक नल का पानी पहुंचता था, वहीं 2024 के अंत तक यह आंकड़ा 80 प्रतिशत से अधिक तक पहुंच गया। यह उपलब्धि निस्संदेह महत्वपूर्ण है, किंतु केवल पाइपलाइन बिछा देने भर से समस्या का समाधान नहीं हो जाता। असली चुनौती यह सुनिश्चित करने की है कि जो पानी घरों तक पहुंच रहा है वह वास्तव में स्वच्छ और सुरक्षित भी हो।

दुर्भाग्य से जल गुणवत्ता के मोर्चे पर स्थिति उतनी संतोषजनक नहीं दिखाई देती। विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में पेयजल के नमूनों की जांच से यह तथ्य सामने आया है कि बड़ी मात्रा में जल प्रदूषित पाया गया है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि लिए गए दूषित नमूनों में से केवल लगभग एक चौथाई को ही शुद्ध करने के प्रयास किए गए। इसका अर्थ यह हुआ कि बड़ी संख्या में लोग अब भी दूषित पानी पीने को मजबूर हैं। यह स्थिति हमारे विकास के दावों की तार्किकता पर प्रश्नचिह्न लगाती है। यदि जल जैसे बुनियादी संसाधन की गुणवत्ता सुनिश्चित नहीं की जा सकती तो विकास की उपलब्धियां अधूरी ही मानी जाएंगी। पेयजल की गुणवत्ता का संकट केवल ग्रामीण क्षेत्रों तक सीमित नहीं है। शहरी क्षेत्रों में भी यह समस्या बराबर देखने को मिलती है। महानगरों और बड़े शहरों में तेजी से बढ़ते शहरीकरण, पुरानी पाइपलाइन व्यवस्था और सीवेज प्रबंधन की कमजोरियों के कारण जल स्रोत लगातार प्रदूषित हो रहे हैं। कई स्थानों पर पेयजल पाइपलाइन और सीवर लाइन एक-दूसरे के बेहद करीब बिछी हुई हैं। समय के साथ जब ये पाइपलाइन जर्जर हो जाती हैं तो सीवर का गंदा पानी पेयजल में मिल जाता है, जिससे गंभीर स्वास्थ्य संकट उत्पन्न हो जाता है। हाल के वर्षों में कई शहरों में दूषित पानी के कारण लोगों के बीमार पड़ने और यहां तक कि मौत होने की घटनाएं सामने आई हैं। मध्यप्रदेश के इंदौर जैसे शहर में हुई ऐसी घटनाओं ने इस खतरे की गंभीरता को और स्पष्ट कर दिया है। यह विडंबना ही है कि जो शहर स्वच्छता के लिए देश में बार-बार अग्रणी स्थान प्राप्त करता रहा है, वहीं दूषित जल के कारण लोगों की जान जाने की घटनाएं सामने आती हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ लंबे समय से यह चेतावनी देते रहे हैं कि अधिकतर बीमारियों की शुरूआत पेट से होती है और दूषित जल इसका सबसे बड़ा कारण बनता है। दस्त, उल्टी, टाइफाइड, हैजा और पीलिया जैसी जलजनित बीमारियां आज भी लाखों लोगों को प्रभावित कर रही हैं। इन बीमारियों का सबसे अधिक असर बच्चों और बुजुर्गों पर पड़ता है क्योंकि उनकी प्रतिरोधक क्षमता अपेक्षाकृत कम होती है। ग्रामीण क्षेत्रों में तो स्थिति और भी गंभीर हो जाती है, जहां स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता सीमित होती है। ऐसे में दूषित पानी केवल एक पर्यावरणीय समस्या नहीं रह जाता, बल्कि यह सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट का रूप ले लेता है। जल प्रदूषण के पीछे कई कारण हैं। औद्योगिक कचरे का बिना उपचार के नदियों और जलाशयों में छोड़ा जाना एक बड़ा कारण है। इसके अतिरिक्त शहरों से निकलने वाला अनुपचारित सीवेज भी बड़ी मात्रा में जल स्रोतों को प्रदूषित करता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार देश की सैकड़ों नदियों के अनेक नदी खंड जल गुणवत्ता के मानकों से नीचे पाए गए हैं। इसका अर्थ यह है कि हमारे जल स्रोत धीरे-धीरे प्रदूषण के गंभीर जाल में फंसते जा रहे हैं। दूसरी ओर, भूजल का अत्यधिक दोहन भी स्थिति को और जटिल बना रहा है। भारत दुनिया में सबसे अधिक भूजल निकालने वाले देशों में अग्रणी है। अत्यधिक दोहन के कारण न केवल जल स्तर गिर रहा है, बल्कि कई स्थानों पर भूजल में फ्लोराइड, आर्सेनिक और अन्य हानिकारक रसायनों की मात्रा भी बढ़ती जा रही है।

विकास की अंधी दौड़ ने भी इस संकट को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। तेजी से फैलते शहर, बढ़ते उद्योग और बढ़ती आबादी जल संसाधनों पर भारी दबाव डाल रहे हैं। लेकिन इसके समानांतर जल प्रबंधन की व्यवस्था उतनी मजबूत नहीं हो पाई है। कई शहरों में सीवेज उपचार संयंत्रों की क्षमता पर्याप्त नहीं है, जिसके कारण बड़ी मात्रा में गंदा पानी सीधे नदियों और झीलों में पहुंच जाता है। जब यही जल स्रोत पेयजल आपूर्ति का आधार बनते हैं तो स्वाभाविक रूप से जल की गुणवत्ता प्रभावित होती है। दूषित जल का प्रभाव केवल मानव स्वास्थ्य तक सीमित नहीं रहता। इसका असर पूरे पारिस्थितिक तंत्र पर पड़ता है। नदियों और झीलों में बढ़ते प्रदूषण से जलीय जीवों का अस्तित्व संकट में पड़ जाता है। कई प्रजातियां धीरे-धीरे समाप्त होने के कगार पर पहुंच जाती हैं। इसके अतिरिक्त दूषित जल का उपयोग जब खेती में होता है तो यह मिट्टी की गुणवत्ता को भी प्रभावित करता है और अंततः खाद्य श्रृंखला के माध्यम से मनुष्य तक पहुंचता है। इस प्रकार जल प्रदूषण का दायरा व्यापक और बहुआयामी है।

इस समस्या के समाधान के लिए केवल योजनाएं बना देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन की भी आवश्यकता है। सबसे पहले पेयजल की गुणवत्ता की नियमित और पारदर्शी निगरानी सुनिश्चित की जानी चाहिए। जल के नमूने लेने की प्रक्रिया तभी सार्थक होगी जब प्रदूषित पाए जाने पर तत्काल सुधारात्मक कदम उठाए जाएं। इसके साथ ही जलापूर्ति और सीवेज व्यवस्था के बीच सुरक्षित दूरी बनाए रखना अनिवार्य किया जाना चाहिए। जिन शहरों और कस्बों में पाइपलाइन व्यवस्था दशकों पुरानी हो चुकी है, वहां उन्हें चरणबद्ध तरीके से बदलने का काम युद्धस्तर पर किया जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त औद्योगिक प्रदूषण पर कठोर नियंत्रण भी आवश्यक है। उद्योगों को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनका कचरा बिना उपचार के किसी भी जल स्रोत में न जाए। इसके लिए कड़े नियमों के साथ-साथ प्रभावी निगरानी तंत्र की भी जरूरत है। स्थानीय निकायों की जवाबदेही तय करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है, क्योंकि कई बार जल आपूर्ति और उसकी गुणवत्ता की निगरानी दोनों की जिम्मेदारी उन्हीं के पास होती है। ऐसी स्थिति में पारदर्शिता की कमी हो जाती है।

निष्कर्षतः यह समझना होगा कि स्वच्छ जल केवल सुविधा का विषय नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक नागरिक का मौलिक अधिकार है। जिस प्रकार भोजन, शिक्षा और स्वास्थ्य को जीवन की बुनियादी आवश्यकताओं में शामिल किया जाता है, उसी प्रकार स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता भी उतनी ही अनिवार्य है। यदि देश को वास्तव में स्वस्थ और समृद्ध बनाना है तो जल की गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। जल जीवन मिशन जैसी योजनाएं तभी पूर्ण रूप से सफल मानी जाएंगी जब हर घर तक पहुंचने वाला पानी वास्तव में स्वच्छ और सुरक्षित होगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि जल प्रबंधन को केवल सरकारी कार्यक्रमों तक सीमित न रखा जाए, बल्कि इसे जनभागीदारी का व्यापक अभियान बनाया जाए। जब तक समाज, प्रशासन और सरकार मिलकर इस दिशा में गंभीर प्रयास नहीं करेंगे, तब तक दूषित जल का संकट पूरी तरह समाप्त नहीं हो पाएगा। स्वच्छ जल की रक्षा दरअसल जीवन की रक्षा है, और यह जिम्मेदारी हम सभी की है।

खाड़ी की जंग से कांपा कारपेट इंडस्ट्री

-सुरेश गांधी

पश्चिम एशिया में बढ़ते सैन्य तनाव ने वैश्विक व्यापार की धड़कनों को तेज कर दिया है। खाड़ी क्षेत्र में युद्ध की आशंका और समुद्री मार्गों पर बढ़े खतरे के कारण जहाजों का किराया बढ़ गया है, बीमा प्रीमियम में उछाल आया है और कई विदेशी खरीदार जोखिम लेने से बच रहे हैं। इसका सीधा असर भारत के निर्यात आधारित उद्योगों खासकर कारपेट इंडस्ट्री पर पड़ रहा है। निर्यात आधारित यह उद्योग इन दिनों गंभीर संकट से गुजर रहा है। कालीन का निर्यात लगभग ठप हो गया है और सैकड़ों करोड़ रुपये का माल बंदरगाहों तथा निर्यातक कंपनियों के गोदामों में फंसा पड़ा है। कारोबारियों के अनुसार मौजूदा हालात में 500 करोड़ रुपये से अधिक के ऑर्डर प्रभावित हो चुके हैं, जबकि युद्ध लंबा खिंचने की स्थिति में 6 से 7 हजार करोड़ रुपये तक के नुकसान की आशंका जताई जा रही है. कुछ ऐसा ही टेक्सटाइल, रत्न-आभूषण और इंजीनियरिंग उद्योग भी इस संकट की आंच महसूस कर रहे हैं

पश्चिम एशिया में बढ़ते सैन्य तनाव ने वैश्विक व्यापार की रफ्तार को अचानक धीमा कर दिया है। समुद्री मार्गों पर जोखिम, जहाजों के बढ़े किराये और बीमा प्रीमियम में उछाल ने भारत के निर्यात आधारित उद्योगों को चिंता में डाल दिया है। कालीन नगरी भदोही से लेकर देश के टेक्सटाइल, रत्न-आभूषण और इंजीनियरिंग निर्यातकों तक सभी पर इस संकट की छाया दिखाई देने लगी है। पश्चिम एशिया का खाड़ी क्षेत्र वैश्विक व्यापार का एक महत्वपूर्ण केंद्र है। एशिया से यूरोप और अमेरिका तक जाने वाले जहाजों का बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र से होकर गुजरता है। जब इस क्षेत्र में युद्ध या तनाव की स्थिति बनती है तो समुद्री मार्गों की सुरक्षा पर सवाल खड़े हो जाते हैं। जहाजों के लिए बीमा महंगा हो जाता है और शिपिंग कंपनियां अतिरिक्त शुल्क लगाने लगती हैं। वर्तमान हालात में भी यही स्थिति देखने को मिल रही है। कई शिपिंग कंपनियों ने जहाजों के मार्ग बदल दिए हैं, जिससे यात्रा का समय और लागत दोनों बढ़ गए हैं।

मतलब साफ है दुनिया के किसी भी हिस्से में युद्ध केवल सैनिकों की लड़ाई नहीं होता, वह वैश्विक अर्थव्यवस्था की धड़कनों को भी प्रभावित करता है। पश्चिम एशिया का खाड़ी क्षेत्र लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय व्यापार की जीवनरेखा माना जाता है। खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव के कारण उन देशों पर इसका सीधा असर पड़ता है जिनकी अर्थव्यवस्था निर्यात पर निर्भर है, और भारत भी उनमें शामिल है। यही कारण है कि खाड़ी क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अस्थिरता का असर तुरंत भारतीय निर्यात उद्योगों पर दिखाई देने लगता है। व्यापार विशेषज्ञों का मानना है कि यदि खाड़ी क्षेत्र में तनाव लंबे समय तक बना रहा तो इसका असर केवल कालीन उद्योग तक सीमित नहीं रहेगा। भारत के कई अन्य निर्यात आधारित उद्योग भी प्रभावित हो सकते हैं। ऐसी स्थिति में सरकार को निर्यातकों के लिए राहत पैकेज और लॉजिस्टिक सहायता पर विचार करना पड़ सकता है।

पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव केवल एक क्षेत्रीय संकट नहीं है, बल्कि इसका असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। भारत के निर्यात उद्योगों के सामने आज जो चुनौतियां खड़ी हैं, वे केवल व्यापारिक आंकड़ों की कहानी नहीं हैं। इनके पीछे लाखों लोगों की मेहनत और उम्मीदें जुड़ी हुई हैं। यदि जल्द ही स्थिति सामान्य नहीं हुई तो इसका असर उद्योगों के साथ-साथ रोजगार और अर्थव्यवस्था पर भी पड़ सकता है। इसलिए वैश्विक समुदाय के लिए यह आवश्यक है कि वह संवाद और कूटनीति के माध्यम से समाधान तलाशे, क्योंकि जब युद्ध की आग भड़कती है तो उसकी लपटें केवल रणभूमि तक सीमित नहीं रहतीं, वे करघों और कारखानों तक भी पहुंच जाती हैं।

उत्तर प्रदेश के भदोही और मिजार्पुर का कालीन उद्योग भारत के निर्यात में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। दुनिया भर में हस्तनिर्मित कालीनों के लिए प्रसिद्ध यह क्षेत्र ‟कालीन नगरी” के नाम से जाना जाता है। इस उद्योग का वार्षिक कारोबार लगभग 17,500 करोड़ रुपये के आसपास है, जिसमें से लगभग 95 प्रतिशत उत्पादन विदेशों में निर्यात होता है। अमेरिका, जर्मनी, फ्रांस और ब्रिटेन जैसे देशों में भारतीय कालीनों की भारी मांग है। लेकिन खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव के कारण निर्यातकों की चिंता बढ़ गई है। कई निर्यातकों का कहना है कि उनके कंटेनर बंदरगाहों पर फंस गए हैं और जहाजों का किराया काफी बढ़ गया है। यदि स्थिति लंबी चली तो उद्योग को हजारों करोड़ रुपये का नुकसान हो सकता है।

महाराष्ट्र के नवाशेवा (जेएनपीटी) पोर्ट पर करीब 150 करोड़ रुपये का कालीन डंप पड़ा हुआ है, जबकि निर्यातक कंपनियों के गोदामों में लगभग 300 करोड़ रुपये से अधिक का तैयार माल रुका हुआ है। कई कंटेनर बीच रास्ते में ही फंस गए हैं, जिससे निर्यातकों की पूंजी अटक गई है। बता दें, भदोही-मिजार्पुर का कालीन उद्योग पूरी तरह निर्यात पर निर्भर है। अमेरिका, यूरोप और खाड़ी देशों में यहां से बड़ी मात्रा में हस्तनिर्मित कालीन भेजे जाते हैं। लेकिन युद्ध के कारण हवाई और समुद्री मार्ग प्रभावित होने से अंतरराष्ट्रीय व्यापार लगभग थम गया है। कई विदेशी खरीदारों ने अपने ऑर्डर रोक दिए हैं, जबकि जो माल पहले से भेजा जा चुका है उसमें भी भारी छूट की मांग की जा रही है। कालीन निर्यातकों के अनुसार सुरक्षा कारणों से विदेशी खरीदार यात्रा से बच रहे हैं, जिससे नए ऑर्डर मिलने की संभावना भी कम हो गई है।

युद्ध का असर अब 10 से 14 अप्रैल तक नई दिल्ली में आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय कारपेट फेयर पर भी पड़ने लगा है। यह मेला भारतीय कालीन उद्योग के लिए सबसे बड़ा वैश्विक व्यापारिक मंच माना जाता है, जहां अमेरिका, यूरोप और खाड़ी देशों से सैकड़ों बायर शामिल होते हैं। लेकिन मौजूदा हालात में कई विदेशी खरीदारों ने यात्रा को लेकर असमंजस जताया है। जहाजों का किराया तेजी से महंगा हो गया है और अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर जोखिम बढ़ने के कारण कई बायर जोखिम लेने को तैयार नहीं हैं। कालीन निर्यातक एवं पूर्व एकमाध्यक्ष हाजी शौकत अली अंसारी, रवि पाटौदिया, ओंकारनाथ मिश्र, उमेश कुमार गुप्ता, रोहित गुप्ता असलम महबूब आदि का कहना है कि कई विदेशी खरीदारों ने मेले में आने से मना कर दिया है। यदि हालात ऐसे ही बने रहे और फेयर रद्द करना पड़ा तो उद्योग को करीब 500 करोड़ रुपये का सीधा झटका लग सकता है।

पेट्रो पदार्थ महंगे, उत्पादन लागत बढ़ी

पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में भी तेज उछाल आया है। इसका असर कालीन उद्योग की उत्पादन लागत पर पड़ा है। रंगाई-धुलाई, धागा निर्माण और परिवहन में पेट्रोलियम उत्पादों का उपयोग अधिक होता है। ऐसे में पेट्रो पदार्थों की कीमतों में 50 से 60 प्रतिशत तक वृद्धि ने उद्योग की लागत बढ़ा दी है।

लाखों बुनकरों की आजीविका पर खतरा

भदोही-मिजार्पुर का कालीन उद्योग केवल व्यापार तक सीमित नहीं है बल्कि लाखों परिवारों की रोजी-रोटी का आधार है। गांव-गांव में बुनकर, डिजाइनर, रंगाई-धुलाई मजदूर और पैकिंग कर्मचारी इस उद्योग से जुड़े हुए हैं। व्यापारियों का अनुमान है कि यदि यही स्थिति बनी रही तो करीब 20 लाख लोग प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित हो सकते हैं। कई जगह पावरलूम बंद होने की कगार पर हैं और बुनकरों के पास काम की कमी हो गई है।

सरकार से राहत की मांग

कालीन निर्यातकों ने केंद्र सरकार से इस संकट में राहत देने की मांग की है। उनका कहना है कि बंदरगाहों पर फंसे कंटेनरों का चार्ज दोगुना हो गया है, जिससे व्यापारियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। निर्यातकों ने कंटेनर चार्ज में छूट, वैकल्पिक शिपिंग मार्ग और निर्यातकों के लिए राहत पैकेज देने की मांग की है, ताकि उद्योग को इस संकट से उबारा जा सके।

17,500 करोड़ के उद्योग पर गहराया संकट

भदोही-मिजार्पुर का कालीन उद्योग देश के सबसे बड़े निर्यात उद्योगों में से एक है। इसका सालाना कारोबार करीब 17,500 करोड़ रुपये का है और इसका 95 प्रतिशत उत्पादन विदेशों में निर्यात होता है। ऐसे में वैश्विक राजनीतिक तनाव ने इस उद्योग के सामने गंभीर चुनौती खड़ी कर दी है। फिलहाल कालीन नगरी के व्यापारियों और बुनकरों की निगाहें अंतरराष्ट्रीय हालात और सरकार की नीतियों पर टिकी हैं। उम्मीद है कि युद्ध जल्द समाप्त होगा और कालीन नगरी के करघों की रफ्तार एक बार फिर तेज होगी।

टेक्सटाइल उद्योग पर भी असर

भारत का वस्त्र और परिधान उद्योग भी निर्यात पर काफी हद तक निर्भर है। अमेरिका और यूरोप इसके प्रमुख बाजार हैं, लेकिन इन बाजारों तक पहुंचने के लिए समुद्री मार्गों का उपयोग करना पड़ता है। वर्तमान संकट के कारण जहाजों के मार्ग बदल रहे हैं और शिपिंग लागत में 30 से 40 प्रतिशत तक की वृद्धि देखी जा रही है। इससे भारतीय उत्पादों की प्रतिस्पर्धा पर असर पड़ सकता है।

रत्न और आभूषण उद्योग की चिंता

मुंबई और सूरत जैसे शहर भारत के रत्न-आभूषण उद्योग के प्रमुख केंद्र हैं। यह उद्योग भी निर्यात पर आधारित है और वैश्विक बाजार में भारतीय आभूषणों की बड़ी मांग है। लेकिन अंतरराष्ट्रीय परिवहन में आई अनिश्चितता और वैश्विक आर्थिक तनाव के कारण इस उद्योग की चिंताएं भी बढ़ गई हैं।

इंजीनियरिंग और मशीनरी निर्यात

भारत का इंजीनियरिंग निर्यात भी तेजी से बढ़ रहा है। ऑटो पार्ट्स, मशीनरी और इलेक्ट्रिकल उपकरण बड़ी मात्रा में विदेशों में भेजे जाते हैं। लेकिन समुद्री मार्गों में आई बाधाओं के कारण इन उत्पादों के निर्यात पर भी असर पड़ रहा है। कई कंपनियों को वैकल्पिक मार्ग अपनाने पड़ रहे हैं, जिससे लागत बढ़ रही है।

भारतीय कालीन उद्योग : एक नजर

कुल कारोबार : लगभग 17,500 करोड़ रुपये

निर्यात हिस्सेदारी : लगभग 95 प्रतिशत

संभावित नुकसान : 6-7 हजार करोड़ तक

कारपेट फेयर से संभावित व्यापार : 500 करोड़ रुपये

शिपिंग लागत में वृद्धि : 30-40 प्रतिशत

कृषि और समुद्री उत्पादों की चुनौती

भारत से चावल, मसाले, चाय और समुद्री उत्पाद भी बड़ी मात्रा में निर्यात किए जाते हैं। इन उत्पादों की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि शिपमेंट में देरी होने पर गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। इसलिए निर्यातकों को अतिरिक्त सावधानी बरतनी पड़ रही है।

योगी से नाराज ब्राह्मण क्या बदल सकते हैं सियासी पाला

-अजय कुमार

उत्तर प्रदेश की सियासत में चुनावी रंग लगातार चटक होता जा रहा है। वोटरों को लुभाने के लिए सभी हथकंडे अपनाये और हर छोटी-बड़ी घटना, हर बयान और हर फैसला अब चुनावी नजरिये से देखा जा रहा है कि इससे वोट बैंक पर कितना असर पड़ेगा। फिलहाल यादव बिरादरी और मुसलमान काफी हद तक समाजवादी पार्टी के साथ नजर आ रहे हैं, लेकिन यूपी में ओवैसी की एंट्री से सपा को नुकसान भी हो सकता है. ठीक इसी तरह ब्राह्मण समुदाय जो हमेशा से भाजपा का मजबूत वोट बैंक रहा है, उसमें योगी सरकार के प्रति आक्रोश उबल रहा है. जिसमें हाल ही में एसआई की परीक्षा में ब्राह्मणों को लेकर एक विवादित सवाल ने ब्राह्मणों की नाराजगी को और बढ़ाने में आग में घी डालने का काम किया है.अब यह सवाल सिर्फ एक परीक्षा तक सीमित नहीं रह गया है बल्कि इसने योगी सरकार के प्रति ब्राह्मणों के गुस्सा को और भी बढ़ा दिया है । राज्य पुलिस भर्ती की दरोगा परीक्षा में पूछा गया वह सवाल अब पूरे समाज की भावनाओं को चोट पहुंचाने का प्रतीक बन गया है। सवाल था अवसर के अनुसार बदल जाने वाले व्यक्ति को क्या कहा जाता है और उसके विकल्पों में पंडित शब्द को शामिल कर दिया गया। एक सामान्य परीक्षा का सवाल जिसका मकसद सिर्फ ज्ञान जांचना था वह अब जाति विशेष को अवसरवादी बताने का हथियार बन गया। डिप्टी मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने तुरंत इसकी निंदा की। उन्होंने साफ कहा कि किसी भी सवाल से किसी समाज की गरिमा को ठेस पहुंचाना बिल्कुल स्वीकार्य नहीं है। सरकार ने मामले को गंभीरता से लिया है और कहा भविष्य में ऐसी गलती दोबारा नहीं होगी। इसके दोस्तों को पकड़ने के लिए जांच कमेटी भी बना दी गई है. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी सभी भर्ती बोर्डों को सख्त निर्देश जारी कर दिए हैं कि किसी भी जाति पंथ या संप्रदाय की मयार्दा का ध्यान रखा जाए। अमर्यादित टिप्पणी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और बार-बार गलती करने वालों पर प्रतिबंध लगाया जाएगा। लेकिन सवाल उठता है कि क्या यह सिर्फ क्षमा याचना और निर्देशों से काम चल जाएगा। क्योंकि ब्राह्मण समाज की नाराजगी अब एक-दो घटनाओं तक नहीं रही। यह एक सिलसिला बन चुका है जो पिछले कई महीनों से लगातार जारी है।

दिसंबर 2025 में विधानसभा सत्र के दौरान जब भाजपा के कुछ ब्राह्मण विधायकों ने लखनऊ में बैठक की तो प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने तुरंत सख्त चेतावनी दे दी। कहा गया कि जाति आधारित बैठक राजनीति पार्टी को मंजूर नहीं। लेकिन ठीक उसी साल अगस्त में ठाकुर विधायकों की बैठक हुई जिसमें चालीस से ज्यादा नेता शामिल थे। वह बैठक पांच सितारा होटल में हुई और उसे कुटुंब परिवार का नाम दिया गया। लोध और कुर्मी विधायकों की बैठक भी हुई लेकिन उन पर कोई नोटिस नहीं दिया गया। कोई चेतावनी नहीं मिली। सपा और कांग्रेस ने इस दोहरे मानदंड पर तीखे सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि भाजपा में ब्राह्मण विधायक एक जगह जुट भी नहीं सकते और न ही अपनी बात रख सकते हैं। यह ब्राह्मण पॉलिटिक्स पर सवाल था जो आज भी गूंज रहा है।फिर आया माघ मेला का विवाद। प्रयागराज में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद पालकी पर सवार होकर स्नान के लिए जा रहे थे। पुलिस ने कानून व्यवस्था का हवाला देकर रोका। धक्का-मुक्की हुई। शंकराचार्य के समर्थक बटुक ब्राह्मणों की चोटियां खींचने के आरोप पुलिस पर लगे। मामला इतना बढ़ा कि शंकराचार्य धरने पर बैठ गए और बिना स्नान किए लौट गए। सपा और कांग्रेस ने इसे राजनीतिक मुद्दा बना दिया। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक को ब्राह्मणों की नाराजगी दूर करने के लिए मैदान में उतरना पड़ा। बृजेश पाठक ने अपने सरकारी आवास पर सौ बटुकों को सम्मानित किया लेकिन क्या यह कदम पर्याप्त था। समाज अभी भी कह रहा है कि प्रशासन ने शंकराचार्य के साथ जो रवैया अपनाया वह अपमानजनक था।

फिर आई फिल्म घूसखोर पंडित। नेटफ्लिक्स पर मनोज बाजपेयी अभिनीत इस फिल्म का टीजर फरवरी 2026 में जारी हुआ। पुलिस अधिकारी को पंडित कहकर संबोधित किया गया। ब्राह्मण संगठनों ने देशभर में विरोध प्रदर्शन किए। यूपी में पोस्टर जलाए गए। सड़कों पर प्रदर्शन हुए। मामले ने सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा। अदालत ने फिल्म रिलीज से पहले नाम बदलने का आदेश दिया और सीबीएफसी को नोटिस जारी किया। निमार्ता नीरज पांडे को शीर्षक बदलना पड़ा। ब्राह्मण समाज ने इसे साजिश बताया कि जानबूझकर एक समुदाय को भ्रष्ट और घूसखोर करार दिया जा रहा है। फिल्म का नया नाम अभी तक तय नहीं हुआ लेकिन समाज के दिल में जो चोट लगी वह अभी भी ताजी है।यूजीसी के नए नियमों ने भी सवर्ण समाज खासकर ब्राह्मणों को नाराज किया। दलित और ओबीसी छात्रों के साथ भेदभाव रोकने के नाम पर बनाए गए नियमों को ब्राह्मणों ने अपने खिलाफ देखा। बरेली के सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री ने इस्तीफा दे दिया। उन्होंने माघ मेले में शंकराचार्य शिष्यों के साथ दुर्व्यवहार और यूजीसी नियमों को वजह बताया। सुप्रीम कोर्ट को हस्तक्षेप करना पड़ा। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच ने यूजीसी एक्ट 2026 पर रोक लगा दी। अदालत ने कहा कि नियम सामान्य वर्ग को टारगेट कर रहे हैं और सामाजिक बंटवारा बढ़ा सकते हैं। केंद्र को नए नियम बनाने के लिए कहा गया। लेकिन इस दौरान ब्राह्मण सड़कों पर उतरे सोशल मीडिया पर विरोध हुआ।

ये सारी घटनाएं एक के बाद एक आईं और हर बार सरकार को सफाई देनी पड़ी। हर बार डैमेज कंट्रोल करना पड़ा। लेकिन ब्राह्मण समाज पूछ रहा है कि क्यों बार-बार उसकी भावनाओं की अनदेखी हो रही है। उत्तर प्रदेश में ब्राह्मण वोटरों की संख्या दस प्रतिशत से ज्यादा है। 2017 के बाद से भाजपा को इनका 85 से 90 प्रतिशत वोट मिलता रहा है। यह परंपरागत वोट बैंक है जो पार्टी की रीढ़ रहा है। लेकिन 2017 के बाद ब्राह्मणों की शिकायत लगातार बढ़ी है। उन्हें पार्टी और सरकार में उचित सम्मान नहीं मिल रहा। उनकी बात नहीं सुनी जा रही। कुशीनगर के विधायक पीएन पाठक ने ब्राह्मण विधायकों की बैठक में कर्तव्य और अन्याय के खिलाफ खड़े होने की बात कही थी। लेकिन प्रदेश अध्यक्ष की चेतावनी के बाद खामोशी छा गई।

अब सपा इस नाराजगी को अपना हथियार बना रही है। उसके ब्राह्मण नेता लगातार योगी सरकार पर हमलावर हैं। कांग्रेस भी पीछे नहीं। ब्राह्मण समाज के संगठन खुलकर कह रहे हैं कि भाजपा ने उन्हें सिर्फ वोट बैंक समझा है लेकिन सम्मान नहीं दिया। ठाकुर कुर्मी लोध जैसे अन्य समुदायों की बैठकें बिना किसी रोक टोक के हो जाती हैं लेकिन ब्राह्मणों की बैठक पर तुरंत नोटिस। परीक्षा का सवाल पंडित को अवसरवादी बताता है। फिल्म का नाम घूसखोर पंडित रखा जाता है। माघ मेले में बटुकों के साथ बदसलूकी। यूजीसी नियम सामान्य वर्ग को निशाना बनाते हैं। ये सारे मुद्दे एक साथ जुड़कर ब्राह्मणों को यह अहसास दिला रहे हैं कि उनकी उपेक्षा हो रही है।2027 के चुनाव में अगर ब्राह्मण वोट में सिर्फ पांच प्रतिशत भी कमी आई तो भाजपा के कई सीटों पर असर पड़ सकता है। खासकर उन क्षेत्रों में जहां ब्राह्मण निर्णायक भूमिका में हैं। पार्टी के अंदर भी ब्राह्मण नेता चुपचाप असंतोष जता रहे हैं। लेकिन ऊपर से कोई भी खुलकर नहीं बोल रहा। सरकार को अब सिर्फ निर्देश जारी करने से आगे बढ़कर ठोस कदम उठाने होंगे। ब्राह्मण संगठनों से संवाद बढ़ाना होगा। परीक्षा बोर्डों में सख्त निगरानी करनी होगी। फिल्म और मीडिया में जाति आधारित अपमान को रोकने के लिए कानूनी प्रावधान मजबूत करने होंगे। यूजीसी जैसे मुद्दों पर संवेदनशीलता दिखानी होगी। ब्राह्मण समाज सदियों से ज्ञान विज्ञान और संस्कृति का संरक्षक रहा है। अवसरवादी या घूसखोर जैसे शब्दों से उसे जोड़ा जाना न सिर्फ गलत है बल्कि खतरनाक भी। योगी सरकार ने विकास और कानून व्यवस्था पर जोर दिया है लेकिन अगर सामाजिक संतुलन बिगड़ गया तो पूरा प्रयास प्रभावित हो सकता है। ब्राह्मण नाराजगी अब सिर्फ भावनात्मक मुद्दा नहीं रह गया है। यह सियासी गणित का हिस्सा बन चुका है। अगर सरकार ने समय रहते इसे समझा और ठीक किया तो 2027 में यह खतरा टल सकता है। वरना यह बादल और घने होते जाएंगे और चुनावी मैदान में भारी पड़ सकते हैं। ब्राह्मण समाज की आवाज अब सिर्फ चेतावनी नहीं बल्कि चेतावनी का अलार्म बन चुकी है। सरकार को इसे अनसुना नहीं करना चाहिए।

विक्रम संवत और उज्जैन : भारतीय कालगणना की ऐतिहासिक धुरी

भारतीय कालगणना की परंपरा में विक्रम संवत का विशेष स्थान है। चैत्र मास की शुक्ल प्रतिपदा से आरंभ होने वाला यह संवत भारतीय संस्कृति में नए वर्ष की शुरूआत का प्रतीक माना जाता है। यही तिथि हिन्दू नववर्ष के रूप में मनाई जाती है। इस संवत की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान उस नगर से भी जुड़ी हुई है जिसने प्राचीन भारत में समय गणना और खगोल अध्ययन को दिशा दी और वह है भारत का प्राचीनतम नगर उज्जैन।

प्राचीन भारत में उज्जैन केवल एक राजनीतिक केंद्र नहीं था, बल्कि खगोलशास्त्र, ज्योतिष और पंचांग निर्माण का भी महत्वपूर्ण केंद्र माना जाता था। इसलिए विक्रम संवत और उज्जैन का संबंध भारतीय इतिहास में विशेष महत्व रखता है।

भारतीय परंपरा के अनुसार विक्रम संवत की स्थापना महान शासक सम्राट विक्रमादित्य ने की थी। मान्यता है कि उन्होंने 57 ईसा पूर्व शकों पर विजय प्राप्त करने के बाद इस संवत की शुरूआत की। इस विजय को स्मरणीय बनाने के लिए एक नई कालगणना पद्धति प्रारंभ की गई, जो आगे चलकर विक्रम संवत के नाम से प्रसिद्ध हुई।

सम्राट विक्रमादित्य की राजधानी उज्जैन मानी जाती है। उस समय यह नगर मध्य भारत का एक महत्वपूर्ण राजनीतिक, सांस्कृतिक और व्यापारिक केंद्र था। इसी नगर से विक्रम संवत की कालगणना का प्रसार हुआ और धीरे-धीरे यह पूरे उत्तर और पश्चिम भारत में व्यापक रूप से प्रचलित हो गया।

प्राचीन भारतीय खगोलशास्त्र में उज्जैन को समय और खगोलीय गणनाओं का केंद्र माना गया। अनेक विद्वानों और ज्योतिषाचार्यों ने अपनी गणनाओं का आधार इसी नगर को बनाया। भारतीय ज्योतिष की परंपरा में यह मान्यता रही कि पृथ्वी की गणनात्मक मध्य रेखा (कर्क रेखा) उज्जैन से होकर गुजरती है। इसी कारण ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति, पंचांग निर्माण और समय की गणना में उज्जैन को आधार माना गया। बाद के काल में भी यहां खगोल अध्ययन की परंपरा जारी रही और वेधशालाओं की स्थापना के माध्यम से खगोलीय अध्ययन को आगे बढ़ाया गया।

हिन्दू नववर्ष और धार्मिक महत्व

चैत्र शुक्ल प्रतिपदा केवल विक्रम संवत का पहला दिन ही नहीं है, बल्कि यह तिथि धार्मिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है। पुराणों के अनुसार इसी दिन सृष्टि के रचयिता भगवान ब्रह्मा ने सृष्टि की रचना आरंभ की थी। इसी तिथि से चैत्र नवरात्रि की शुरूआत होती है। नवरात्रि के ये नौ दिन देवी दुर्गा की आराधना और भक्ति का विशेष पर्व माने जाते हैं। इस दौरान भक्त दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा करते हैं और घरों तथा मंदिरों में विशेष अनुष्ठान किए जाते हैं।

हिन्दू नववर्ष केवल एक कैलेंडर का आरंभ नहीं बल्कि भक्ति, साधना और आध्यात्मिक ऊर्जा के नौ दिवसीय उत्सव की शुरूआत भी है।

प्रकृति के साथ जुड़ा नववर्ष

भारतीय संस्कृति में समय की गणना प्रकृति के चक्र से जुड़ी रही है। चैत्र मास में वसंत ऋतु अपने चरम पर होती है। वृक्षों पर नई पत्तियां आती हैं, फूल खिलते हैं और खेतों में फसल पकने लगती है। इस कारण भारतीय मनीषियों ने नए वर्ष की शुरूआत को ऐसे समय से जोड़ा जब प्रकृति स्वयं नवजीवन का संकेत दे रही होती है। यह व्यवस्था इस बात का प्रमाण है कि भारतीय कालगणना केवल धार्मिक आस्था नहीं बल्कि प्रकृति की गहरी समझ पर आधारित थी। महाराष्ट्र में हिन्दू नववर्ष को गुड़ी पड़वा के रूप में मनाया जाता है। इस दिन घरों के बाहर एक विशेष ध्वज जैसा प्रतीक लगाया जाता है जिसे गुड़ी कहा जाता है।

गुड़ी एक लंबी लकड़ी या बांस पर रंगीन वस्त्र बांधकर बनाई जाती है। उसके ऊपर तांबे या चांदी का कलश उल्टा रखा जाता है और उसे नीम तथा आम के पत्तों से सजाया जाता है।

लोकसभा में श्रीकांत शिंदे ने मध्य रेलवे की सभी लोकल ट्रेनें 15 डिब्बों की करने की मांग

कल्याण (उत्तरशक्ति)। शिवसेना के संसदीय दल के नेता डॉ श्रीकांत शिंदे ने लोकसभा में रेलवे को लेकर चल रही चर्चा पर अपनी भूमिका रखते हुए कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर सरकार का ध्यान केंद्रित करते हुए कहा की जी तरह से नरेंद्र मोदी की सरकार ने रेलवे को जो गति दी है वो पिछली सरकार के कार्यकाल में कभी नहीं हुआ था।

डॉ श्रीकांत शिंदे ने इस दौरान सरकार से कल्याण लोकसभा क्षेत्र को लेकर कई महत्वपूर्ण मांग की है जिसमे रेलवे के सभी डिब्बे को १५ डिब्बे करने की मांग रखी , श्रीकांत शिंदे ने सरकार का ध्यान केंद्रित करते हुए कहा की डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (ऊ्रू) देश के लिए एक बहुत महत्वपूर्ण परियोजना है। वर्तमान में जो मालगाड़ियाँ लोकल पटरियों पर चल रही हैं, ऊ्रू बनने के बाद उनके लिए अलग ट्रैक उपलब्ध हो जाएगा। इससे लोकल ट्रैक खाली होंगे और उन पर अधिक संख्या में लोकल ट्रेनें चलाई जा सकेंगी। पिछली सरकार के समय यह काम धीमी गति से चल रहा था, लेकिन अब डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर का कार्य लगभग १००प्रतिशत पूरा हो चुका है।

मेरे चुनाव क्षेत्र में लगभग ८० प्रतिशत लोग ट्रेन से सफर करते हैं। ऐसे में मेरा निवेदन है कि सभी ट्रेनों में १५डिब्बे किए जाएँ तथा सभी प्लेटफार्मों की लंबाई बढ़ाई जाए। इसके अलावा, दिवा से छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसटी) तक नई ट्रेन सेवा शुरू की जाए, कोपर खैराने से वसई तक ट्रेनों की संख्या बढ़ाई जाए, ऐरोली-कलवा एलिवेटेड कॉरिडोर परियोजना की गति तेज की जाए। हर

हर स्टेशन पर मराठी साहित्य के स्टॉल लगाए जाएँ : श्रीकांत शिंदे की मांग

स्टेशन पर मराठी साहित्य के स्टॉल लगाए जाएँ, कोंकण रेलवे के दोहरीकरण (डबलिंग) का कार्य जल्द पूरा किया जाए, कोंकण रेलवे की फ्रीक्वेंसी बढ़ाई जाए तथा वरिष्ठ नागरिकों और पत्रकारों को मिलने वाली जो सुविधाएँ बंद कर दी गई हैं, उन्हें जल्द से जल्द पुनः शुरू किया जाए।

लोकसभा में चर्चा करते हुए श्रीकांत शिंदे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और रेल मंत्री का धन्यवाद करते हुए कह की २०१४ की रेल की परिस्थिति और उसके बाद की परिस्थिति आज पूरा देश देख रहा है। आम आदमी के लिए रेलवे का सफर सिर्फ स्टेशन का सफर नहीं बल्कि उनके जीवन का संघर्ष है , उनके सपने , उम्मीदों और अजीविका का सहारा रेलवे है। में जहां से आता हु कल्याण से वहा लाखों लोग रेलवे से सफर करते है। मेट्रोपोलिटियन सिटी के लोग सफर के लिए पूरी तरह से रेलवे पर निर्भर रहते है।

कल्याण लोकसभा क्षेत्र की परिस्थिति २०१४ के बाद बदली है में सभी रेल मंत्रियों का धन्यवाद देता हु जिसमे पूर्व रेल मंत्री सुरेश प्रभु , पियूष गोयल और अब के मंत्री अश्विनी वैष्णव जी है जिन्होंने रेलवे पर ध्यान देने का काम किया है और ज्यादा से ज्यादा फंड दिया है ,मेरे लोकसभा क्षेत्र में लगभग ५ से ६ हजार करोड़ का काम हुआ है जिसके लिए में उनका में धन्यवाद करता हु।

कल्याण लोकसभा क्षेत्र में कई कठिनाई थी ५ और ६ लाइन यहाँ नहीं हो रही थी और १५ साल से लोग इसका इंतजार कर रहे थे , प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनते ही यह लाइन पूरी हो चुकी है और लोग सफर कर रहे है।

श्रीकांत शिंदे ने रेल मंत्री से निवेदन करते हुए कहा कि जैसे ठाणे से कल्याण के बीच पाँचवीं और छठी रेलवे लाइन का काम पूरा हुआ है और कल्याण से अंबरनाथ के बीच तीसरी और चौथी लाइन का काम शुरू हुआ है, यह बहुत महत्वपूर्ण है। लेकिन लोगों को और ज्यादा सुविधा देने के लिए ठाणे से छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसटी) के बीच रुका हुआ पाँचवीं और छठी लाइन का काम भी जल्द पूरा होना चाहिए।

यदु यादव कोश विमोचन कार्यक्रम में यूट्यूबर प्रमीला यादव की शानदार प्रस्तुति पर किया गया सत्कार

मुंबई (उत्तरशक्ति)। अंधेरी पश्चिम वीरा देसाई रोड स्थित कंट्री क्लब में यादव समाज को एकसूत्र में जोडने वाली सामाजिक पत्रिका यदु यादव कोश के विमोचन कार्यक्रम में जहां वाराणसी के बिरहा गायक पप्पू यादव ने समां बांधा वहीं यूट्यूबर प्रमीला यादव, कविता यादव, सुशीला यादव ने अपनी प्रस्तुति देकर समाज के लोगों का मन मोह लिया। बतादें कि इन महिला यूट्यूबरों का सत्कार यदु यादव कोश के संपादक एस एन यादव ने किया। वहीं पत्रकार आचार्य सूरजपाल यादव, परमा यादव, जटाशंकर यादव ने विशेष स्वागत किया। इन यूट्यूबरों ने प्रमीला07, सत्यम2610, कविता ब्लाग72 को लाइक और शेयर कर सहयोग की अपील किया है।

तारापुर औद्योगिक क्षेत्र की कम्पनी में लगी भीषण आग, अग्निशमन विभाग की तत्परता से बड़ा हादसा टला

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिले के बोईसर औद्योगिक क्षेत्र में स्थित प्लाट नंबर ख-162/163) में स्थित कंपनी में मंगलवार सुबह करीब 8:30 बजे भीषण आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग की लपटें और धुआं दूर-दूर तक दिखाई देने लगे, जिससे आसपास के उद्योगों में भी सतर्कता बढ़ा दी गई।

घटना की सूचना मिलते ही तारापुर एमआईडीसी की 3 बीएआरसी की एक तथा पालघर नगर परिषद की एक दमकल गाड़ी तत्काल मौके पर पहुंची। कुल 5 दमकल गाड़ियों ने आग बुझाने का मोर्चा संभाला। अग्निशमन दल के जवानों ने कड़ी मशक्कत करते हुए आग पर काबू पा लिया। प्रशासन व दमकल विभाग की त्वरित कार्रवाई के चलते इस घटना में किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, जो एक बड़ी राहत की बात है। हालांकि आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। फिलहाल इस घटना की जांच संबंधित विभाग द्वारा की जा रही है।

स्मार्ट बाजार के डिलिवरी कर्मियों की हड़ताल, प्रबंधन ने दिया 10 दिन में मांगें पूरी करने का आश्वासन

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के बोईसर शहर पूर्व स्थित स्मार्ट बाजार में कार्यरत लगभग 80 से 90 डिलिवरी कर्मियों ने मंगलवार 17 मार्च 2026 को अपनी विभिन्न मांगों को लेकर हड़ताल शुरू कर दी। अचानक हुई इस हड़ताल से सेवा पर कुछ समय के लिए कामकाज प्रभावित रहा।

सूचना मिलने पर श्रमिकों के प्रतिनिधियों ने मनसे के पदाधिकारियों से संपर्क किया, जिसके बाद मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया गया। इस दौरान स्मार्ट बाजार के मैनेजर मयंक पाठक को बुलाकर कामगारों की समस्याओं और मांगों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। चर्चा के बाद स्मार्ट बाजार प्रशासन की ओर से लिखित रूप में आश्वासन दिया गया कि कामगारों की सभी मांगों पर सकारात्मक कार्यवाई करते हुए उन्हें अगले 10 दिनों के भीतर पूरा किया जायेगा। इस आश्वासन के बाद कामगारों में संतोष का माहौल देखा गया। इस मौके पर मनसे पालघर उपतहसील अध्यक्ष सत्यम मिथिलेश मिश्रा, तहसील संघटक शैलाश भुतखडे, डांडीपाडा शाखा अध्यक्ष मुस्ताक खान, अजय प्रजापती सहित बड़ी संख्या में कामगार उपस्थित रहे।

वीडियो कॉल पर जांच से सर्जरी तक— लकवाग्रस्त मरीज ने फिर से चलना सीखा

मुंबई। जसलोक हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के डॉक्टरों ने एक बेहद जटिल और जोखिम भरी सर्वाइकल स्पाइन सर्जरी कर एक ऐसे मरीज को नया जीवन दिया है, जो गंभीर दुर्घटना के बाद गर्दन के नीचे पूरी तरह लकवाग्रस्त हो गया था।

इस सफल सर्जरी के बाद मरीज अब दोबारा खड़ा होने और चलने में सक्षम हो गया है। मरीज राजीव वरवाडे को यह गंभीर चोट उस समय लगी जब वह काम से घर लौटते समय मोटरसाइकिल से गिर गए। इस दुर्घटना में उनकी गर्दन की हड्डी में फ्रैक्चर हो गया और रीढ़ की हड्डी (स्पाइनल कॉर्ड) पर गंभीर दबाव पड़ गया। इसके कारण उनके कंधों के नीचे का पूरा शरीर काम करना बंद कर चुका था। ऐसी चोटों में मृत्यु का खतरा बहुत अधिक होता है और गंभीर न्यूरोलॉजिकल लॉस (जैसा कि फिल्म सुपरमैन के अभिनेता क्रिस्टोफर रीव को हुआ था) होता है। ऐसे में अक्सर मरीज हमेशा के लिए चलने-फिरने की क्षमता खो देते हैं। परिवार ने क्षेत्र के कई अस्पतालों से संपर्क किया, लेकिन अधिक जोखिम के कारण उन्हें इलाज देने से मना कर दिया गया। डॉक्टरों का कहना था कि यह चोट स्थायी है और सर्जरी से कोई खास फायदा नहीं होगा। इसके अलावा सर्जरी खुद भी बेहद जोखिम भरी थी और ऑपरेशन के बाद लंबे समय तक वेंटिलेटर पर रहने की आशंका थी। करीब 15 दिनों तक बिना इलाज के घर पर रहने के दौरान उनकी हालत और खराब होती चली गई।

आरपीआई नेता भारत सोनवणे द्वारा रोजा इफ्तार पार्टी का आयोजन

कल्याण (उत्तरशक्ति)। आरपीआई आठवले गुट के युवक जिला कार्याध्यक्ष भारत सोनवणे के पहल पर रमजान के अवसर पर मुस्लिम भाइयों के लिए सूचक नाका परिसर में रोजा इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में हिंदू और मुस्लिम समाज के अनेकों लोगों ने एक साथ आकर भाईचारे और एकता का संदेश दिया। इस मौके पर हिंदू-मुस्लिम एकता और सामाजिक सद्भाव बढ़ाने के उद्देश्य से भारत सोनवणे हर वर्ष रोजा इफ्तार पार्टी का आयोजन करते हैं।

इस अवसर पर शिंदे गुट के नगरसेवक नवीन गवली, शाखा प्रमुख राजू उजगरे, भाजपा पदाधिकारी संजय मोरे, कोलसेवाडी पुलिस के सीनियर पीआई हेमंत गुरव, इस्माईल पठान, प्रभाकर म्हात्रे तथा अन्य मान्यवर उपस्थित थे।

सहप्रवास 2026 मराठी शिक्षा का प्रेरणादायी उत्सव विक्रोली में उत्साह के साथ सम्पन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। विक्रोली स्थित विकास मराठी स्कूल समूह के पूर्व छात्र, अभिभावक, शिक्षक एवं संस्था के सक्रिय सहभाग से गुणवत्तापूर्ण, आनंददायक और गतिविधि-आधारित शिक्षा का अनूठा प्रयोग ह्यसहप्रवास 2026ह्व बड़े उत्साह के साथ संपन्न हुआ। विद्या विकास एजुकेशन सोसायटी द्वारा संचालित विकास हाईस्कूल के मराठी शिशु विभाग, मराठी प्राथमिक एवं माध्यमिक (सेमी-इंग्लिश) विभाग के संयुक्त तत्वावधान में मराठी भाषा और माध्यम के संवर्धन हेतु उक्त कार्यक्रम गत दिनों विद्यालय के सभागार में सैकड़ों अभिभावकों की उपस्थिति में आयोजित किया गया। इस स्नेह मिलन कार्यक्रम में संस्था की ट्रस्टी माधवी नांदोसकर के हाथों स्कूल के लिए एक स्मार्ट बोर्ड तथा जनसहभागिता से विद्यार्थियों हेतु 40 बेंच का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों और अभिभावकों ने संयुक्त रूप से ह्लमेरी मराठी स्कूलह्व विषय पर विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियां प्रस्तुत कर उपस्थितों का मन

मोह लिया। विद्यार्थियों के प्रस्तुतीकरण को अभिभावकों ने भी उत्साहपूर्वक सराहा, जिससे कार्यक्रम की शोभा बढ़ गई।कार्यक्रम में लगभग 30 से 35 पूर्व छात्र, 250 से अधिक अभिभावक, सभी विभागों के मुख्याध्यापक, शिक्षकगण, अभिभावक प्रतिनिधि एवं स्कूल प्रबंधन समिति के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे। यह स्नेह मिलन पुराने दिनों की यादों को ताजा करने के साथ-साथ अभिभावक-विद्यार्थी-शिक्षक के बीच संबंधों को और मजबूत करने वाला साबित हुआ।संस्था के संस्थापक, राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित आदर्श शिक्षक स्वर्गीय पी. एम. राऊत तथा पूर्व सीईओ स्वर्गीय विद्या पी. राऊत की प्रेरणा से स्कूल आज भी गुणवत्तापूर्ण और प्रयोगशील शिक्षा के लिए कार्यरत है।मुख्यमंत्री ह्यमेरी स्कूल सुंदर स्कूलह्व अभियान के अंतर्गत विद्या विकास प्राथमिक स्कूल वांगणी, विकास हाईस्कूल माध्यमिक तथा इंग्लिश प्राथमिक विभाग को विभाग स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। साथ ही रदअअ्रहके अंतर्गत अ+ ग्रेड तथा ह्यस्वच्छ हरित विद्यालयह्व मूल्यांकन में 5 स्टार रेटिंग भी प्राप्त हुई है। नई शिक्षा नीति के अनुसार शिक्षक तकनीकी रूप से सक्षम बनते हुए शिक्षण प्रक्रिया में आधुनिक तकनीक का प्रभावी उपयोग कर रहे हैं। शिक्षा के साथ-साथ संगीत, खेल, नृत्य, योग, कराटे, इंग्लिश स्पोकन क्लास, पोषण आहार, कंप्यूटर, एआई रोबोटिक्स एवं इनोवेशन लैब जैसी सुविधाओं के कारण ये मराठी स्कूल उपनगर में विद्यार्थियों के पसंदीदा केंद्र बनते जा रहे हैं।

महाराजा हरि सिंह सम्मान समारोह का हुआ भव्य आयोजन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। जम्मू के होटल आमंत्रण में महाराजा हरि सिंह सम्मान समारोह 2026 का हुआ भव्य आयोजन। उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास आठवले थे।

इस कार्यक्रम में भारत की प्रथम आई पी एस किरण बेदी को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से नवाजा गया।

बता दें कि महाराज हरि सिंह डोंगरा सम्मान विगत कई वर्षों से भारत की जानी मानी फैशन डिजाइनर एवं रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया की प्रदेश अध्यक्ष संध्या गुप्ता द्वारा किया जाता रहा हैं।

इस कार्यक्रम में 26/11 हमले की नायक मंगेश नायक भी मौजूद रहें। ये कार्यक्रम देश की सेवा के

दौरान अपनी जान गंवाने वाले परिवार को समर्पित रहा। संध्या गुप्ता एवं उनकी संस्थान वूमेन क्लब मेरी पहचान ने देश के लिए जान गंवाने वाले शहीद डीवाईएसपी जगतार सिंह, शहीद डीवाईएसपी शैली सिंह, शहीद डीवाईएसपी अमन ठाकुर शहीद सब इंस्पेक्टर रणबीर ठाकुर, शहीद असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर बाबू राम, शहीद पीएसआई दीपक शर्मा, शहीद सब इंस्पेक्टर इमरान हुसैन टाक, शहीद हेड कांस्टेबल अशोक कुमार के परिवार को समर्पित रहा और उनके परिजनों को सम्मानित किया गया।

उक्त कार्यक्रम की आयोजक संध्या गुप्ता ने सनी सिंह को जन्मदिन विशेष धन्यवाद दिया एवं सभी विशिष्ट लोगों को भी धन्यवाद दिया।

उपमहापौर के हाथों क्विज प्रतियोगिता के विजेताओं को किया गया सम्मानित, 200 से अधिक विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी शहर के नागांव-चाविंद्रा स्थित आशीर्वाद हिंदी हाई स्कूल एवं डॉ. डी. एस. पालीवाल इंग्लिश हाई स्कूल में क्विज प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपमहापौर तारिक मोमिन ने विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में नगरसेवक प्रतिनिधि साजू सिद्दीकी, सतीश पाटिल, नगरसेवक सैफुल्लाह अंसारी, विवेक सिंह एवं आर.एम. श्रीवास सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन से हुई। विद्यालय के

मुख्याध्यापक दीपक सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। इस क्विज प्रतियोगिता में दोनों विद्यालयों के 200 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विभिन्न समूहों में आयोजित प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को उपमहापौर तारिक मोमिन एवं अन्य अतिथियों द्वारा सम्मान चिन्ह देकर पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर उपमहापौर तारिक मोमिन ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे प्रतियोगिताओं में भाग लेने से ज्ञान में वृद्धि होती है और आत्मविश्वास भी बढ़ता है। उन्होंने विद्यार्थियों को भविष्य में भी इस तरह की प्रतियोगिताओं में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का सफल संचालन विद्यालय की शिक्षिका नमिता सिंह द्वारा किया गया। इस आयोजन को सफल बनाने में विद्यालय के मुख्याध्यापक, शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं शिक्षकेतर कर्मचारियों का विशेष योगदान रहा है।

सरस महोत्सव ने दी महिलाओं की मेहनत को नई ऊंचाई

5 दिनों में 1.10 करोड़ रुपए से अधिक की हुई रिकॉर्ड बिक्री

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिले के विरार शहर में 12 से 16 मार्च के बीच आयोजित कोकण विभागीय सरस महोत्सव 2026 ने ग्रामीण महिला स्वयंसहायता समूहों को सशक्त मंच प्रदान करते हुए बिक्री के नये कीर्तिमान स्थापित किये। महज पांच दिनों में 1 करोड़ 10 लाख 640 रुपये की कुल बिक्री दर्ज कर इस महोत्सव ने महिला सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की।

यह महोत्सव जिला परिषद पालघर तथा वसई-विरार महानगरपालिका के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। महाराष्ट्र राज्य ग्रामीण जीवनोन्नति अभियान (उमेद) के अंतर्गत जिला परिषद पालघर के माध्यम से 89 लाख 12 हजार 20 रुपये की बिक्री हुई, जबकि महानगरपालिका के एन यू एल एम के माध्यम से 20 लाख 88 हजार 620 रुपये का कारोबार हुआ। महोत्सव के पहले दिन ही कोकण विभागीय आयुक्त डॉ. विजय सूर्यवंशी ने महिलाओं द्वारा एक करोड़ का आंकड़ा पार करने का विश्वास जताया था, जिसे महिला समूहों ने साकार कर दिखाया। समापन समारोह जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे, अप्पर आयुक्त (विकास) डॉ. माणिक दिवे व जिला ग्रामीण विकास यंत्रणा की प्रकल्प संचालिका डॉ. रूपाली सातपुते की प्रमुख उपस्थिति में संपन्न हुआ।

महोत्सव में लगे स्टॉल्स पर मसाले, पापड़, अचार, मिठाई, दुग्ध उत्पाद, चॉकलेट, आर्टिफिशियल ज्वेलरी, बांस व लकड़ी के उत्पाद, फूल-तोरण और अन्य घरेलू उपयोग की वस्तुओं को ग्राहकों का भरपूर प्रतिसाद मिला। कई समूहों ने आकर्षक प्रस्तुति और उत्कृष्ट बिक्री से विशेष पहचान बनाई। इस आयोजन से कई महिला समूहों को नये व्यावसायिक अवसर भी मिले। वाडा का कोलम चावल, बेसन, सेवई व मोरिंगा पाउडर जैसे उत्पादों को बड़े पैमाने पर ऑर्डर प्राप्त हुए। साथ ही डीमार्ट के प्रबंधक नायडू ने भी महोत्सव का दौरा कर उत्पादों का अवलोकन किया। शहरी समूहों में पांचाल, तुलजाई और रुचिरा बचत समूहों ने सर्वाधिक बिक्री की, जबकि ग्रामीण समूहों में श्री स्मरण (पालघर), माऊली (विक्रमगड) और साईकृपा (वाडा) स्वयं

सहायता समूहों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इसके अलावा आई वैष्णवी, एक्टिव स्वयंम और श्री समर्थ महिला बचत समूहों को बेहतरीन स्टॉल सजावट के लिए सम्मानित किया गया। विधायक स्नेहा दुबे व विधायक राजन नाईक ने महोत्सव का दौरा कर महिला समूहों के कार्यों की सराहना की।आयोजन की सफलता में पूर्व महापौर अजीव पाटील, जिलाधिकारी डॉ. इंदुराणी जाखड और महापालिका आयुक्त डॉ. मनोज कुमार सूर्यवंशी का विशेष सहयोग रहा। मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने कहा कि सरस महोत्सव ग्रामीण महिलाओं को बाजार उपलब्ध कराने और उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने वाला महत्वपूर्ण मंच है। वहीं डॉ. माणिक दिवे ने कहा कि ऐसे आयोजनों से महिलाओं की उद्यमशीलता को नई दिशा मिलती है और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलती है। इस अवसर पर महोत्सव से जुड़े यूट्यूबर्स और इन्फ्लुएंसर्स को भी पुरस्कृत किया गया, साथ ही उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी, कर्मचारी और पत्रकारों का सम्मान किया गया। महोत्सव के माध्यम से महिलाओं को सीधे ग्राहकों से जुड़ने, अपने उत्पाद प्रस्तुत करने और बड़े स्तर पर बिक्री करने का अवसर मिला। एक करोड़ से अधिक की बिक्री हासिल कर महिलाओं ने अपने परिश्रम का शानदार परिणाम दिखाया और उनके चेहरे पर आत्मविश्वास व संतोष स्पष्ट झलकता नजर आया। प्रकल्प संचालिका डॉ रूपाली सातपुते ने महोत्सव को सफल बनाने में सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

सैमसंग ने गुड़ी पड़वा स्पेशल अभियान की घोषणा की

मुंबई। भारत की अग्रणी उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी सैमसंग ने गुड़ी पड़वा स्पेशल अभियान की घोषणा की है, जिसके तहत Bespoke AI होम अप्लायंसेज की पूरी रेंज पर आकर्षक फेस्टिव ऑफर्स पेश किए गए हैं। 22 मार्च 2026 तक मान्य इस अभियान के माध्यम से ग्राहक कैशबैक और आसान फाइनेंस विकल्पों का लाभ उठाते हुए अपने घर को सैमसंग के स्मार्ट और अक संचालित उपकरणों से अपग्रेड कर सकते हैं।

ग्राहक सैमसंग के Bespoke AI रेफ्रिजरेटर, वॉशिंग मशीन, एयर कंडीशनर और माइक्रोवेव पर रुपये 20,000 तक का कैशबैक प्राप्त कर सकते हैं। इसके साथ ही, चुनिंदा मॉडलों पर झिरो डाउन पेमेंट की सुविधा भी उपलब्ध है, जिससे त्योहार के दौरान खरीदारी और अधिक सुलभ और किफायती बनती है। इसके अलावा, ग्राहक नए 2026 रेंज के एयर कंडीशनर्स पर फ्री इंस्टॉलेशन और 5 साल की व्यापक वारंटी का लाभ भी उठा सकते हैं। ये कैशबैक और फाइनेंस ऑफर्स Bespoke AI अप्लायंसेज की विस्तृत रेंज पर लागू हैं, जिससे यह समय स्मार्ट और एआई-आधारित जीवनशैली अपनाने के लिए उपयुक्त बनता है। ये गुड़ी पड़वा विशेष ऑफर्स 22 मार्च 2026 तक Samsung.com, प्रमुख ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स और देशभर के चयनित रिटेल स्टोर्स पर उपलब्ध हैं।

उत्तरशक्ति

* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालय :

उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)

मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37

मो.- 9554493941

email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागुराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।

पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

मनरेगा मजदूरों की मजदूरी दिये जाने की मांग को लेकर कांग्रेसियों ने किया प्रदर्शन

मजदूर विरोधी है भाजपा सरकार: डा.प्रमोद कुमार सिंह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केन्द्र एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मनरेगा मजदूरों की दिहाड़ी और संविदा कर्मियों को लम्बे समय तक मानदेय न दिए जाने की मांग को लेकर कांग्रेस पार्टी के कार्यकताओं ने जिलाध्यक्ष डा प्रमोद कुमार सिंह के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट परिसर के विकास भवन में धरना प्रदर्शन कर सरकार से अविलंब मजदूरी दिए जाने की मांग की।

धरना-प्रदर्शन को संबोधित करते हुए कहा कि विगत कई महीने से उत्तर प्रदेश में मनरेगा मजदूरों को उनके परिश्रम की मजदूरी का भुगतान नहीं किया गया है, साथ ही आठ महीने से मनरेगा के काम में लगे प्रदेश के चालीस हजार से अधिक रोजगार सेवकों और मनरेगा संविदा कर्मियों का मानदेय भुगतान सरकार नहीं कर रही है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष डा प्रमोद कुमार सिंह ने सरकार पर मजदूरों का धन हड़पने का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार पूंजीपतियों को फायदा पहुंचाने के लिए काम कर रही है, मजदूर और गरीब वर्ग भीषण महगाई की मार झेल रहा है। शहर कांग्रेस कमेटी जौनपुर के अध्यक्ष आरिफ खान ने कहा कि तथाकथित डबल इंजन की सरकार मनरेगा मजदूरों का हक छीनकर, उनके मेहनत मजदूरी

का पैसा उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाने के लिए लगाया जा रहा है। आरिफ खान ने चेतावनी देते हुए कहा कि भाजपा सरकार मनरेगा मजदूरों और मनरेगा संविदा कर्मियों की मजदूरी और मानदेय अविलंब भुगतान नहीं करती है तो कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता आंदोलन के लिए मजबूर होंगे।

धरना-प्रदर्शन के बाद महामहिम राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सीडीओ को सौंपा। इस मौके पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव सत्यवीर सिंह, देवराज पांडेय, विनय तिवारी, शेर बहादुर सिंह, लाल प्रकाश पाल,अरुण शुक्ला, राकेश सिंह डब्बू, रेखा सिंह, कृष्णचंद निषाद, इरशाद खान राजू, सभासद शहनवाज मंजूर, अनिल दूबे आजाद, वरुणा शंकर चतुर्वेदी, इकबाल हुसैन, सुरेश चंद दूबे, मकसूद, विनय मिश्रा, अरविंद यादव, मुहम्मद ताहिर, शैलेन्द्र यादव, संदीप निषाद, संजय निषाद, लोकेश दूबे, असरफ अली, मुहम्मद अरसी, अखिलेश यादव, लालती देवी, आरती देवी, कृष्ण कुमार साहू, जयमंगल यादव सहित अन्य लोग मौजूद रहे। धरना प्रदर्शन का संचालन जिला उपाध्यक्ष व संगठन प्रभारी राकेश मिश्रा ने किया।

मानीकलां की बड़ी जामा मस्जिद में तरावीह मुकम्मल

मौलाना मोहम्मद अशहद कासमी का हुआ सम्मान

डॉ.इम्तियाज अहमद

मानीकलां, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के मानीकलां कस्बे स्थित बड़ी जामा मस्जिद मानीकलां में रमजान के पवित्र माह के दौरान तरावीह की नमाज मुकम्मल हो गई। इस दौरान बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने शिरकत कर पूरे रमजान भर कुरान पाक सुना।

तरावीह की नमाज मौलाना मोहम्मद अशहद कासमी, पुत्र मरहूम हाफिज रियाज अहमद खान ने पढ़ाई। इस वर्ष तरावीह के दौरान मदरसा कुरानिया के नाज़िम रहे मरहूम हाफिज रियाज अहमद खान की कमी लोगों को खूब महसूस हुई। उनका पिछले माह 14 फरवरी 2026 को इंतकाल हो गया था, जिससे कस्बे में शोक का

माहौल रहा।

तरावीह मुकम्मल होने के बाद मस्जिद में मुल्क की तरक्की, अमन-ओ-अमान और आपसी भाईचारे के लिए खास दुआ की गई। इस मौके पर मौलाना मोहम्मद अशहद कासमी को सम्मानित भी किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य नायब नाज़िम हाफिज मोहम्मद अखलद, मुफ्ती मोहम्मद अमजद कासमी, डॉ.वकील अहमद, डॉ.शमीम अहमद, बदरुद्दीन खान, हाफिज फैजानअहमद , हाफिज मोहम्मद अजहद खान, हाफिज आफताब अहमद, दानिश, हाफिज अहमद, हाफिज एहसान अहमद, रहमान, सलाम, अतीक अहमद, मोहम्मद अशजद खान, डॉ.राशिद खान,सहित बड़ी संख्या में मोहल्लेवासी मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी लोगों ने तबर्रुक हासिल किया और एक-दूसरे को रमजान की मुबारकबाद देते हुए अपने-अपने घरों को रवाना हुए।

आजम खान प्रकरण में सुप्रीम कोर्ट को प्रार्थना-पत्र, एसआईटी जांच की मांग

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नई दिल्ली समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं जौनपुर सदर के पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान ने वरिष्ठ नेता मोहम्मद आजम खान, अब्दुल्लाह आजम खान और उनके परिवार के खिलाफ दर्ज मामलों को लेकर सुप्रीम कोर्ट में प्रार्थना-पत्र भेजा है। उन्होंने इन सभी मामलों की स्वतंत्र, निष्पक्ष और न्यायिक निगरानी में जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने की मांग की है।

प्रार्थना-पत्र में कहा गया है कि वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव के बाद अल्प अवधि में आजम खान और उनके परिवार के खिलाफ बड़ी संख्या में आपराधिक मुकदमे दर्ज किए गए, जिससे जांच की निष्पक्षता और प्रशासनिक प्रक्रिया पर सवाल खड़े होते हैं। उन्होंने कहा कि यह मामला न्यायिक पारदर्शिता और विधि के शासन से जुड़ा हुआ है।

मोहम्मद अरशद खान ने सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध किया है कि किसी सेवानिवृत्त या वर्तमान न्यायाधीश की निगरानी में एसआईटी का गठन किया जाए, जो सभी मामलों की जांच समयबद्ध तरीके से पूरी करे। साथ ही उन्होंने संबंधित पक्षों को अंतरिम जमानत देने पर भी विचार करने की मांग की है, ताकि वे अपनी कानूनी प्रक्रिया सही ढंग से आगे बढ़ा सकें। प्रार्थना-पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि रामपुर जिला कारागार में निरुद्ध आजम खान और अब्दुल्लाह आजम खान को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई जा रही हैं, जो मानव गरिमा के सिद्धांत के विपरीत है। इस संबंध में भी न्यायालय से उचित निर्देश जारी करने की मांग की गई है।

उन्होंने कहा कि यदि इन मामलों की जांच सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में होती है, तो इससे न्याय व्यवस्था की निष्पक्षता और विश्वसनीयता और अधिक मजबूत होगी।

ईरान दूतावास में शिष्टाचार भेंट, मोहम्मद अरशद खान ने जताई एकजुटता

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नई दिल्ली समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं जौनपुर सदर के पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान ने 17 मार्च 2026 को नई दिल्ली स्थित इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के दूतावास का शिष्टाचार भेंट किया। इस दौरान उन्होंने ईरान के शीर्ष नेतृत्व और निर्दोष नागरिकों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की।

मुलाकात के दौरान उन्होंने ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह अली खामेनेई सहित वहां के नेतृत्व के प्रति शोक प्रकट करते हुए कहा कि ईरान पर थोपा गया संघर्ष अंतरराष्ट्रीय न्याय के सिद्धांतों के खिलाफ है और यह वैश्विक शांति व स्थिरता के लिए गंभीर खतरा है। उन्होंने इस कठिन समय में ईरान की संप्रभुता, सम्मान और उसके नागरिकों के साथ पूर्ण एकजुटता जताई।

मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि भारत और ईरान के बीच ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और कूटनीतिक संबंध बेहद मजबूत रहे हैं, जिन्हें आगे और सुदृढ़ करने की आवश्यकता है। उन्होंने दोनों देशों के बीच सहयोग, आपसी सम्मान और समृद्धि के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

इस अवसर पर ईरानी राजदूत ने भारतीय पक्ष की ओर से व्यक्त एकजुटता और समर्थन के लिए आभार प्रकट किया तथा भारत-ईरान संबंधों को और मजबूत करने की इच्छा जताई।

बैठक में अनीस अंसारी (मदीना मस्जिद, दिल्ली), शान मोहम्मद, मकबूल अहमद और आरिफ (एडवोकेट) भी मौजूद रहे। यह मुलाकात अंतरराष्ट्रीय एकजुटता, न्याय और वैश्विक शांति के प्रति प्रतिबद्धता का एक महत्वपूर्ण संदेश मानी जा रही है।

शिक्षा के साथ बच्चों की प्रतिभा को मंच देने से बढ़ता है उनमें आत्मविश्वास: रमेश सिंह

धूमधाम से मनाया गया पीएम श्री कम्पोजिट विद्यालय रामपुर का वार्षिकोत्सव

◆ सांस्कृतिक कार्यक्रमों से विद्यार्थियों ने बांधा समां, प्रतिभाशाली छात्र छात्राएं सम्मानित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सुईथाकला विकासखंड अंतर्गत रामपुर स्थित पीएम श्री कम्पोजिट विद्यालय में सोमवार को आयोजित वार्षिकोत्सव समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक रमेश सिंह ने

दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया।

विधायक रमेश सिंह ने कहा कि विद्यालयों में आयोजित होने वाले ऐसे सांस्कृतिक और शैक्षणिक कार्यक्रम बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ बच्चों की प्रतिभा को मंच देने से उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और वे भविष्य में बेहतर प्रदर्शन कर पाते हैं। उन्होंने प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा विद्यालय परिवार को इस सराहनीय आयोजन के लिए बधाई दी।

खंड शिक्षा अधिकारी आनंद प्रकाश सिंह ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है और उनके व्यक्तित्व का समग्र विकास होता है।

शिक्षक संघ के वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष सतीश सिंह ने कहा कि शिक्षकों और अभिभावकों के संयुक्त प्रयास से ही बच्चों का भविष्य उज्ज्वल बन सकता है। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं।

शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अमित सिंह, शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष डॉ रणंजय सिंह, अजय मिश्रा ने भी संबोधित किया। अध्यक्षता तिलक धारी यादव व संचालन नरेंद्र बहादुर सिंह ने किया। मौके पर शिक्षक संघ के जिला मंत्री दुष्यंत मिश्रा, शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष सुधाकर सिंह, पारसनाथ यादव, प्रधान अमरजीत यादव, प्रधानाध्यापक राकेश सिंह, एसएमसी अध्यक्ष जय प्रकाश सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

जौनपुर में पुलिस महकमे पर बड़ी कार्रवाई, कई पुलिसकर्मी निलंबित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में कानून-व्यवस्था को लेकर बड़ी कार्रवाई करते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) ने चंदवक थाना क्षेत्र में तैनात पुलिसकर्मियों पर सख्त कदम उठाया है। थाना प्रभारी सत्य प्रकाश सिंह समेत कई दरोगा और सिपाहियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि चंदवक क्षेत्र में हुई एक दर्दनाक घटना के बाद पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठे थे। मामले को गंभीरता से लेते हुए एसएसपी ने जांच कराई, जिसमें ड्यूटी में लापरवाही सामने आने पर यह कड़ा निर्णय लिया गया। एसएसपी ने स्पष्ट रूप से कहा कि जनता की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि भविष्य में किसी भी पुलिसकर्मी की कार्यप्रणाली में ढिलाई पाई गई, तो उसके खिलाफ सीधे कठोर कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है और अधिकारियों व कर्मचारियों को अपने कर्तव्यों के प्रति अधिक सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। जनपद में अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन अब और सख्ती के मूड में नजर आ रहा है।

रेणुकूट में पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष की स्मृति में सुंदरकांड पाठ, भंडारे का हुआ आयोजन

रामकुमार गुप्ता

रेणुकूट, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। नगर पंचायत रेणुकूट के पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय शिव प्रताप सिंह उर्फ बबलू सिंह के जन्मदिन के अवसर पर सोमवार शाम उनके आवास पर सुंदरकांड पाठ का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन हनुमान कटरा मार्केट स्थित उनके निवास पर श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ संपन्न हुआ। सुंदरकांड पाठ के उपरांत आयोजित भंडारे में बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान सोनभद्र के प्रसिद्ध भजन गायक वीर बहादुर सिंह एवं उनकी टीम ने मधुर भजनों की प्रस्तुति देकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। संगीतमय कार्यक्रम में ढोलक पर संदीप, ऑर्गन पर अनीश श्रीवास्तव, बैंजो पर डब्लू, तबला पर आयुष सिंह तथा कोरस में अशोक यादव, विजय और कृष्णकांत चौबे ने सराहनीय प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने आयोजन की सराहना करते हुए दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि अर्पित की। अंत में आरती के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। जिसके बाद भजन संध्या का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर नगर पंचायत रेणुकूट की पूर्व अध्यक्ष निशा सिंह, विजय प्रताप सिंह, अभय प्रताप सिंह, शौर्य प्रताप सिंह, रामनरेश अग्रवाल, संतोष सिंह, अनिल सिंह, गणेश तिवारी, मनोज त्रिपाठी उर्फ बाबा, अंजना सिंह, नरेंद्र सिंह, दिलीप दुबे, दिलीप कुमार सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

काशी पहुंचीं अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज, मां की अस्थियों का गंगा में किया विसर्जन

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज सोमवार को काशी पहुंचीं, जहां उन्होंने पवित्र गंगा में अपनी मां की अस्थियों का विधि-विधान से विसर्जन किया। बताया जाता है कि अभिनेत्री वाराणसी पहुंचने के बाद एक होटल में ठहरीं और वहां से सीधे गंगा घाट पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने चेहरा कपड़े से ढक रखा था और आम श्रद्धालु की तरह पूजा-अर्चना की।

नाव से गंगा की बीच धारा में पहुंचकर उन्होंने काशी विश्वनाथ मंदिर के सामने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ अपनी मां की अस्थियों का विसर्जन किया। यह धार्मिक अनुष्ठान वाराणसी के आचार्य विकास पांडेय की देखरेख में संपन्न हुआ। मां को अंतिम विदाई देने के बाद अभिनेत्री ने काशी और गंगा के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए काशी को कोटि-कोटि नमन किया।

बच्चों के विवाद में मारपीट के बाद हुई मौत के मामले में महिला गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के पवारा थाना क्षेत्र में बच्चों के विवाद को लेकर हुई मारपीट के बाद एक व्यक्ति की मौत के मामले में पुलिस ने वांछित महिला अभियुक्ता और एक बाल अपचारी को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार 5 मार्च 2026 को ग्राम कुंवरपुर (गंगापुर) निवासी श्रीमती मनीषा गौड़ ने थाने में लिखित शिकायत देकर आरोप लगाया था कि बच्चों के विवाद को लेकर विपक्षियों ने गाली-गलौज करते हुए उनके पति नागेंद्र कुमार गौड़ के साथ मारपीट की। आरोप है कि मारपीट के दौरान नागेंद्र

गौड़ को गंभीर चोटें आईं और उनकी हड्डी व दांत टूट गए। घटना के बाद घायल नागेंद्र गौड़ को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इसके बाद दर्ज मुकदमे में संबंधित धाराओं की बढ़ोतरी करते हुए हत्या से संबंधित धाराएं भी जोड़ दी गईं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत सोमवार को पवारा पुलिस टीम ने मुकदमे से संबंधित वांछित महिला अभियुक्ता इन्दू पत्नी रामचंद्र निवासी ग्राम कुंवरपुर (गंगापुर) को एक बाल अपचारी के साथ हिम्मतपुर खेलकूद के बगीचे के पास सड़क किनारे से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई करते हुए अग्रिम विधिक प्रक्रिया शुरू कर दी है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में थानाध्यक्ष अनिल कुमार, हेड कांस्टेबल परमानंद यादव, कांस्टेबल धनंजय यादव, कांस्टेबल अनिल यादव और महिला कांस्टेबल डाली वर्मा शामिल रहीं।

जौनपुर में एलपीजी की पर्याप्त उपलब्धता, बिना बुकिंग एजेंसियों पर भीड़ न लगाने की अपील

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला पूर्ति अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों के बावजूद जनपद में घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडरों की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है। जनपद की 92 गैस एजेंसियों के माध्यम से उपभोक्ताओं को नियमित रूप से गैस उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने बताया कि पूर्व की भांति उपभोक्ताओं को बुकिंग के सापेक्ष निर्धारित समय में होम डिलीवरी के जरिए गैस सिलेंडर मिल रहे हैं और जनपद में गैस का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। जिला पूर्ति अधिकारी ने आमजन से अपील की है कि बिना बुकिंग गैस सिलेंडर लेने के लिए गैस एजेंसियों या गोदामों पर अनावश्यक भीड़ न लगाएं। उपभोक्ता प्रमुख गैस कंपनियों के बुकिंग ऐप या हेल्पलाइन नंबर के माध्यम से घर बैठे ऑनलाइन बुकिंग कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि बुकिंग कन्फर्म होने के 3 से 4 दिनों के भीतर गैस सिलेंडर घर तक पहुंचा दिया जाता है। किसी भी प्रकार की समस्या होने पर उपभोक्ता संबंधित कंपनियों के अधिकारियों से संपर्क कर सकते हैं। प्रशासन ने उपभोक्ताओं से व्यवस्था बनाए रखने और डिजिटल माध्यमों का अधिक से अधिक उपयोग करने की अपील की है।

जौनपुर के ग्रामीण अंचल में किरण तिवारी की दो पुस्तकों का लोकार्पण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के सिकरारा थाना क्षेत्र के सतलपुर गांव में शैल साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था द्वारा आयोजित भव्य समारोह में प्रख्यात साहित्यकार किरण तिवारी की दो पुस्तकों ह्यअंतर्द्वंद्वह्न एवं ह्याकाव्यकिरणह्न का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में साहित्य प्रेमियों, शिक्षकों और स्थानीय लोगों की उपस्थिति रही।

मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे उत्तर प्रदेश विधान परिषद सदस्य बृजेश सिंह प्रिंसू ने अपने संबोधन में कहा कि पुस्तकें ज्ञान का अक्षय भंडार होती हैं और मनुष्य की सच्ची मित्र बनकर जीवनभर मार्गदर्शन करती हैं। उन्होंने कहा कि पुस्तकें न केवल व्यक्ति के व्यक्तित्व का विकास करती हैं, बल्कि उसे सही-गलत का अंतर समझाकर एक जिम्मेदार नागरिक बनने में भी मदद करती हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य सुधाकर उपाध्याय ने की। विशिष्ट अतिथियों में ब्लॉक प्रमुख संजय सिंह, प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष अमित सिंह

तथा डॉ. संतोष सिंह शामिल रहे। वहीं राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित लल्लन उपाध्याय भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सुशील उपाध्याय ने किया, जबकि आयोजन की जिम्मेदारी रवि प्रकाश मिश्र ने संभाली। सभी अतिथियों का शॉल और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। लेखिका किरण तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि आमतौर पर पुस्तक लोकार्पण बड़े शहरों में होता है, लेकिन ग्रामीण क्षेत्र में इस तरह का आयोजन और लोगों का उत्साह उनके लिए गर्व का विषय है।

उन्होंने संस्था के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए बताया कि शैल साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था साहित्य, कला, भाषा और संस्कृति के संरक्षण व संवर्धन के लिए कार्य करेगी। संस्था नवोदित रचनाकारों को मंच देने, साहित्यिक गोष्ठियों, कवि सम्मेलनों, सेमिनारों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन के साथ-साथ लोक-संस्कृति और पारंपरिक मूल्यों को बढ़ावा देने का कार्य करेगी। इसके साथ ही संस्था विशेष रूप से युवा पीढ़ी में साहित्यिक चेतना विकसित करने और महिला रचनाकारों, ग्रामीण प्रतिभाओं तथा वंचित वर्गों को अभिव्यक्ति का अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रस्तावित शराब ठेका के विरोध में ग्रामीणों का उबाल

महिलाओं-पुरुषों ने किया जोरदार प्रदर्शन

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के फुरफुरी नगर (मनेछा) में प्रस्तावित शराब ठेका की जानकारी मिलते ही सोमवार की सुबह ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखने को मिला। सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण, जिनमें बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल थीं, सड़क पर उतर आए और प्रस्तावित शराब ठेका के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने नारेबाजी करते हुए प्रशासन से तत्काल इस प्रस्ताव को निरस्त करने की मांग की।

प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों का कहना था कि गाँव के बीच या मुख्य मार्ग पर शराब की दुकान खुलने से सामाजिक वातावरण बिगड़ जाएगा और बच्चों का भविष्य प्रभावित होगा। उनका कहना है कि जिस रास्ते से गाँव के बच्चे प्रतिदिन विद्यालय पढ़ने के लिए आते-जाते हैं, उसी मार्ग पर शराब का ठेका प्रस्तावित किया जा रहा है। इससे बच्चों पर बुरा प्रभाव पड़ने की आशंका है। ग्रामीणों ने कहा कि शराब की दुकान खुलने से गाँव के युवाओं में नशे की प्रवृत्ति बढ़ेगी और परिवारों में कलह की स्थिति पैदा हो सकती है।

ग्रामीणों ने यह भी बताया कि इसी मार्ग से गाँव की महिलाएं और बहन-बेटियां रोजाना आवागमन करती हैं। ऐसे में शराब की दुकान खुलने से उनके लिए असुरक्षा की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। इसके अलावा प्रस्तावित स्थल के आस-पास विद्यालय भी स्थित है, जिससे अभिभावकों की चिंता और बढ़ गई है। ग्रामीणों का कहना है कि शिक्षा के माहौल के बीच शराब की दुकान खुलना बच्चों के मानसिक और सामाजिक विकास के लिए हानिकारक होगा।

प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की कि प्रस्तावित शराब ठेका को गाँव से दूर किसी अन्य स्थान पर स्थानांतरित किया जाए, ताकि गाँव का सामाजिक वातावरण सुरक्षित रह सके। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो वे आंदोलन को और तेज करने के लिए बाध्य होंगे।

ग्रामीणों का कहना है कि वे अपने बच्चों और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को लेकर बेहद चिंतित हैं और किसी भी कीमत पर गाँव में शराब की दुकान खुलने नहीं देंगे। हालांकि स्थिति शांतिपूर्ण रही और ग्रामीण अपनी मांगों को लेकर प्रशासन से उचित कार्रवाई की उम्मीद जता रहे हैं। इस दौरान मोहित बिन्द, रामसबद बिन्द, मनोज बिन्द, धर्मेंद्र बिन्द, जयहिंद गौतम, गोविन्द यादव, प्रदीप कन्नौजिया, फूलचन्द्र, बृजेश कुमार, मनोज कुमार, महेंद्र बिन्द, जोगिंदर, रामआसरे, सुनील, चंदन, संजय कुमार, सन्तोष बिन्द समेत भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

लखनऊ में पुलिसकर्मी पर पत्रकार से मारपीट का आरोप

दोनों हाथों में फ्रैक्चर, अब तक मुकदमा नहीं

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। राजधानी लखनऊ में एक पत्रकार के साथ कथित रूप से पुलिसकर्मी द्वारा मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि पुलिसकर्मी की पिटाई से पत्रकार के दोनों हाथों में फ्रैक्चर हो गया। यह घटना कल की बताई जा रही है, लेकिन खबर लिखे जाने तक मामले में एफआईआर दर्ज नहीं की गई है। पीड़ित पत्रकार का कहना है कि जिस पुलिसकर्मी पर मारपीट का आरोप है, वही उसी थाने में तैनात है जहां उन्होंने शिकायत दर्ज कराई है। इस वजह से कार्रवाई में देरी हो रही है और उन्हें न्याय मिलने की उम्मीद कम दिखाई दे रही है। घटना की जानकारी सामने आने के बाद पत्रकार संगठनों और स्थानीय लोगों में नाराजगी देखी जा रही है। उन्होंने मामले में निष्पक्ष जांच कर दोषी पुलिसकर्मी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल पुलिस अधिकारियों की ओर से मामले में कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। पीड़ित पत्रकार न्याय की मांग करते हुए मामले में जल्द एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की अपील कर रहे हैं।

जौनपुर में अवैध गैस सिलेंडरों पर बड़ी कार्रवाई, रेलवे लाइन के पास से 53 सिलेंडर बरामद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र के निर्देश पर जनपद में अवैध गैस सिलेंडरों के भंडारण और बिक्री के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत सोमवार को प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 53 घरेलू गैस सिलेंडर बरामद किए। यह कार्रवाई गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र में की गई। जानकारी के अनुसार जिला पूर्ति अधिकारी संतोष विक्रम साही द्वारा गठित टीम ने गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के गोपालापुर गांव के पास केशवपुर रेलवे फाटक स्थित एक जलपान गृह पर छापेमारी की। टीम ने केशव प्रसाद मौर्य के जलपान गृह में दबिश देकर दुकान के पीछे भारी मात्रा में गैस सिलेंडरों का

अवैध भंडारण पकड़ा। छापेमारी के दौरान मौके से 16 भरे हुए और 37 खाली सिलेंडर सहित कुल 53 घरेलू गैस सिलेंडर बरामद किए गए। जांच के दौरान दुकानदार इन सिलेंडरों से संबंधित कोई वैध दस्तावेज या रिकॉर्ड प्रस्तुत नहीं कर सका। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि इन सिलेंडरों का भंडारण रेलवे लाइन से महज करीब 10 मीटर की दूरी पर किया गया था, जिससे किसी भी समय बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई थी। करीब दो घंटे तक चली इस कार्रवाई में प्रशासनिक टीम ने सभी सिलेंडरों को कब्जे में ले लिया। इस दौरान क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी, सप्लाई इंस्पेक्टर सहित अन्य अधिकारी और गौराबादशाहपुर पुलिस भी मौके पर मौजूद रही। अचानक हुई इस छापेमारी से आसपास के दुकानदारों में हड़कंप मच गया। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध गैस भंडारण और कालाबाजारी के खिलाफ यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

दादरा नगर हवेली इंडस्ट्रियल एसोसिएशन द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन

वापी(उत्तरशक्ति)। होली के पावन अवसर पर दादरा नगर हवेली इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं उद्योगपति अजीत यादव के आवास पर भव्य होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे और आपसी सद्भाव व संगठनात्मक एकता का संदेश दिया। समारोह में राष्ट्रीय प्रवक्ता कैलाश चंद्र धारी यादव, गुजरात प्रदेश अध्यक्ष हरिराम यादव तथा गुजरात महासचिव प्रदीप यादव विशेष रूप से शामिल हुए। इसके साथ ही उत्तर यादव युवा संघ के प्रतिनिधियों की भी सक्रिय उपस्थिति रही। इस दौरान अतिथियों ने अजीत यादव से मुलाकात कर उन्हें होली की शुभकामनाएं दीं। बातचीत के दौरान अजीत यादव ने संगठन की मजबूती पर जोर देते हुए कहा कि युवा वर्ग द्वारा किया जा रहा कार्य सराहनीय है और इसे इसी प्रकार आगे बढ़ाते रहना चाहिए। उन्होंने आश्वासन दिया कि संगठन को जब भी उनकी आवश्यकता होगी, वे हमेशा सहयोग के लिए तत्पर रहेंगे। साथ ही उन्होंने उत्तर यादव युवा संघ के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे भविष्य में भी संगठन के साथ मजबूती से खड़े रहेंगे। समारोह का माहौल उत्साह, रंगों और भाईचारे से सराबोर रहा, जिसमें सभी उपस्थित लोगों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं और सामाजिक एकता का संदेश फैलाया।

जायडस और लूपिन के बीच समझौता, भारत में सेमाग्लूटाइड इंजेक्शन की को-मार्केटिंग करेंगे

मुंबई। जायडस लाइफ साइंसेस लिमिटेड और लूपिन लिमिटेड ने भारत में नवाचार आधारित सेमाग्लूटाइड इंजेक्शन की उपलब्धता बढ़ाने के लिए एक लाइसेंसिंग और सप्लाई एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए हैं। यह दवा एक उपयोगकर्ता-अनुकूल रीयूजेबल पेन डिवाइस के साथ उपलब्ध होगी, जिससे मधुमेह और वजन प्रबंधन के मरीजों को उन्नत उपचार तक बेहतर पहुंच मिल सकेगी। इस समझौते के तहत लूपिन को भारतीय बाजार में जायडस के सेमाग्लूटाइड इंजेक्शन की सेमी-एक्सक्लूसिव को-मार्केटिंग का अधिकार मिलेगा। लूपिन इस दवा को रैंल्ली७३ॅ और छ्ी१रेॅ ब्रांड नामों से बाजार में उतारेगी, जबकि जायडस इसे र्एटअञ्छ ठ्ठ, टअरल्ए-टअह्न और अळळएप्ह्न ब्रांड नामों से उपलब्ध कराएगी। समझौते के तहत लूपिन, जायडस को अपफ्रंट लाइसेंसिंग फीस और तय माइलस्टोन हासिल होने पर अतिरिक्त भुगतान करेगी। जायडस लाइफ साइंसेज के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉक्टर शार्विल पटेल ने कहा कि कंपनी की खोजें मरीजों को स्वस्थ और बेहतर जीवन जीने में मदद कर रही हैं। उन्होंने कहा कि मरीजों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया यह इनोवेटिव पेन डिवाइस उपचार को आसान बनाता है और जीवन की गुणवत्ता सुधारने में सहायक है। लूपिन के साथ यह साझेदारी इस दवा की पहुंच पूरे भारत में बढ़ाने में मदद करेगी। वहीं लूपिन के मैनेजिंग डायरेक्टर निलेश गुप्ता ने कहा कि जायडस के साथ यह साझेदारी कार्डियो-मेटाबोलिक बीमारियों के लिए उन्नत उपचार विकल्प उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि ऋइढ-1 आधारित उपचार वैश्विक स्तर पर उपचार मानकों को बदल रहे हैं और यह साझेदारी कंपनी के डायबिटीज पोर्टफोलियो को और मजबूत करेगा। सेमाग्लूटाइड का उपयोग वयस्कों में टाइप-2 डायबिटीज के उपचार के लिए किया जाता है, खासकर तब जब आहार और व्यायाम से शुगर नियंत्रण पर्याप्त नहीं हो पाता। यह दवा मेटफॉर्मिन के विकल्प के रूप में या अन्य एंटी-डायबिटिक दवाओं के साथ दी जा सकती है। इसके अलावा यह दवा वजन प्रबंधन के लिए भी उपयोगी है। इसे कम कैलोरी वाले आहार और शारीरिक गतिविधि के साथ उन वयस्कों में दिया जाता है जिनका बीएमआई 30 या उससे अधिक (मोटापा) या 27 या उससे अधिक (ओवरवेट) हो और साथ में हाई ब्लड प्रेशर, टाइप-2 डायबिटीज या डिस्लिपिडेमिया जैसी समस्याएं भी मौजूद हों। दोनों कंपनियों का मानना है कि यह साझेदारी भारत में उन्नत डायबिटीज और वजन प्रबंधन उपचार तक मरीजों की पहुंच को मजबूत करेगी।

आयुर्वेद चिकित्सक डॉ. श्यामसुंदर शर्मा द्वारा लिखित सरल श्रीमद्भगवद्गीता चिरायु गीता का विमोचन संपन्न

-प्रेम चंद मिश्रा

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। आज नालासोपारा आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज मे डॉ.श्यामसुंदर शर्मा द्वारा लिखित सरल श्रीमद्भगवद्गीता चिरायु गीता इस पुस्तक का विमोचन समारोह आयोजित हुआ। कार्यक्रम की शुरुवात सभी मान्यवरों द्वारा भगवान धन्वंतरी पूजन, स्तवन एवं दीपप्रज्वलन से की गई।

पुस्तक विमोचन कार्यक्रम के विशेष अतिथी भूतपूर्व एअर फोर्स अफसर वर्तमान में भारत सरकार के श्रम मंत्रालय एक्स के डायरेक्टर कामेश्वर दुबे थे। महाविद्यालय के डायरेक्टर डॉ. ओमप्रकाश दुबे इन्होंने डॉक्टर श्यामसुंदर शर्मा को हार्दिक बधाई देते हुए कहा की, एक आयुर्वेद तज्ञ लिखित इस सरल श्रीमद्भगवद्गीता-चिरायु गीता के लिये शुभसंदेश देने का सौभाग्य मुझे प्राप्त हुआ और हमारे महाविद्यालय में उसका विमोचन करने का स्वर्ण अवसर हमे प्राप्त हुआ इसकी मुझे बहुत खुशी है।

कार्यक्रम के विशेष अतिथी कामेश्वर दुबे ने कहा कि गीता का सार बताकर जीवन में संतोष एवं सफलता पाने के लिए भगवद्गीता का अभ्यास बहुत जरुरी है। संस्था की विश्वस्त डॉ. ऋजुता दुबे ने कहा कि भगवद्गीता जीवन का सार है उसका ज्ञान होना बहुत ही आवश्यक है।

सरल भगवद्गीता - चिरायु गीता के लेखक डॉ.श्यामसुंदर शर्मा ने कहा की आजकल गीता पढ़ने के बारे मे युवा पिढी में उदासीनता दिखाई दे रही है जो उचित नही. जीवन मे सुखी रहने के लिए दुख में भी सुख ढूंढना आना चाहिये। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. हेमलता शेट्टे सभी अध्यापक, अध्यापकेतर कर्मचारी एवं सभी विद्यार्थी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का सूत्रसंचालन डॉक्टर पूनम बेहरे ने किया।

राज्यसभा सांसद शिक्षक सदानंद माटुंगा स्थित एस आई ई एस हाईस्कूल में राष्ट्रीय सेवक संघ के कार्यक्रम में भाजपा के सक्रिय सदस्य सुरेंद्रन कुन्नीकृष्णन ने शुभेच्छा भेंट की। छाया चित्र: उत्तर शक्ति

फेविकोल केयरिंग विद स्टाइल के 16वें संस्करण की मेजबानी की

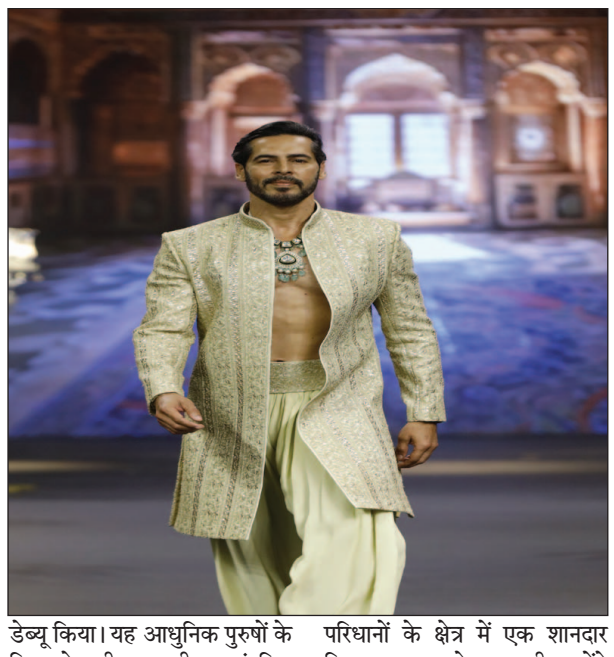

मुंबई। फेविकोल के गोपी वैद और मोहित राय व रिद्धि बंसल के साथ मिलकर, देश के सबसे मशहूर फैशन फंडरेजर में से एक, फेविकोल केयरिंग विद स्टाइल के 16वें एडिशन को क्यूरेट किया। 2025 में एक सफल इवेंट के बाद, पिडिलाइट इंडस्ट्रीज ने कैंसर पेशेंट्स एड्स एसोसिएशन के साथ मिलकर, शानदार जियो वर्ल्ड गार्डन में अपना सालाना चैरिटी फैशन शो आयोजित किया। इस फैशन और मनोरंजन से भरे भव्य आयोजन का मकसद, कम सुविधा वाले कैंसर मरीजों की तकलीफों को कम करना था। इसके लिए उन्हें बीमारी का संपूर्ण प्रबंधन मुहैया कराया गया, जिसमें बीमारी की पहचान, मेडिकल मदद, काउंसलिंग, जागरूकता और पुनर्वास शामिल था। भारत के सबसे प्रतिष्ठित फैशन डिजाइनर गोपी वैद ने गोपी वैद मेन्स लाइन के साथ अपना डेब्यू किया। यह आधुनिक पुरुषों के लिए बेहतरीन भारतीय पारंपरिक परिधानों के क्षेत्र में एक शानदार विस्तार था। इसके साथ ही उन्होंने चार बाग समर 2026 भी पेश किया, जो मुगल बागों की भव्यता और समरूपता से प्रेरित था। वहीं, निजाम कलेक्शन में गर्मियों के मौसम को हल्के और बहते हुए टेक्सचर में नए अंदाज में पेश किया गया, जबकि इसकी शाही रूह को बरकरार रखा गया। मोहित राय और रिद्धि बंसल के ब्रांड क्ळफ्ल्र ने अपने कलेक्शन नजाकत को बेहद शानदार तरीके से पेश किया। यह कलेक्शन भारतीय विरासत की भव्यता में रचा-बसा था और शाही भारत की सदाबहार खूबसूरती को एक श्रद्धांजलि थी। पारंपरिक कारीगरी की भव्यता से प्रेरित, हर परिधान में जड़ाऊ गहनों की बारीक खूबसूरती झलक रही थी, जिसे कढ़ाई के रूप में कपड़ों पर उकेरा गया था। लाइट के साथ मिलकर विशेष कलेक्शन पेश किए हैं, ताकि ऐसे फंड जुटाए जा सकें जिनसे उढअअ द्वारा समर्थित जरूरतमंद कैंसर मरीजों की मदद हो सके। फेविकोल केयरिंग विद स्टाइल के 16वें एडिशन में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। जानी-मानी शिल्पा शेट्टी जैसी हस्ती ने गोपी वैद के लिए रैंप वॉक कर-के इस शो की शुरूआत की, जिसके बाद डिनो मोरिया ने रैंप वॉक किया। वहीं इब्राहिम अली खान और प्रतिभा रांटा ने इस नेक काम को अपना समर्थन देने के लिए क्ळफ्ल्र के लिए रैंप वॉक किया। इस शानदार शाम में माही मुखर्जी, शादाब फरीदी और कुलते खान ने अपनी जबरदस्त परफॉर्मेंस से समां बांध दिया; इन कलाकारों ने इस नेक काम में अपना योगदान दिया। शो की मेजबानी तारा शर्मा और वैभव मोटा ने की। इस मौके पर इंडस्ट्री की कई बड़ी हस्तियां और जाने-माने बिजनेसमैन भी मौजूद थे। ग्लैमर विद अ पर्पस नाम की इस पहल के जरिए जो फंड इकट्ठा हुआ है, उसका ल्यूकेमिया (ब्लड कैंसर) से पीड़ित बच्चों के इलाज के लिए किया जाएगा। उढअअ ने पहले भी इस तरह के फंड की मदद से 100 से ज्यादा बच्चों की मदद की है, जिनमें से 78 बच्चे अब लगभग पूरी तरह ठीक हो चुके हैं और फिलहाल मेंटेनेंस(इलाज के बाद की देखभाल) के दौर में हैं।

डॉ. अग्रवाल्स आई हॉस्पिटल वाशी ने नवी मुंबई का पहला 'कैटालिस' प्रिसिजन लेजर रोबोटिक मोतियाबिंद सर्जरी प्लेटफॉर्म लॉन्च किया

नवी मुंबई। 'एडवांस्ड आई हॉस्पिटल एंड इंस्टीट्यूट ए यूनिट ऑफ डॉ अग्रवाल्स आई हॉस्पिटल', 'कैटालिस प्रिसिजन लेजर सिस्टम' शुरू करने वाला नवी मुंबई का पहला केंद्र बन गया है। यह अगली पीढ़ी का ब्लेडलेस रोबोटिक मोतियाबिंद सर्जरी प्लेटफॉर्म है। सानपाड़ा, वाशी स्थित इस नए 'रोबोटिक मोतियाबिंद सर्जरी सूट' का उद्घाटन नवी मुंबई नगर निगम की माननीय महापौर श्रीमती सुजाता सूरज पाटिल ने किया। नवी मुंबई नगर निगम के उप-महापौर दशरथ भगत विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम डॉ. वंदना जैन, चीफ स्ट्रैटेजी ऑफिसर एवं हेड क्लिनिकल सर्विसेज, वाशी, डॉ. अग्रवाल्स आई हॉस्पिटल की उपस्थिति में आयोजित किया गया। यह अत्याधुनिक लेजर प्लेटफॉर्म सर्जनों को इमेज-गाइडेड और कंप्यूटर-नियंत्रित लेजर सटीकता के साथ मोतियाबिंद सर्जरी के महत्वपूर्ण चरणों को पूरा करने में सक्षम बनाता है। इससे पारंपरिक सर्जरी में इस्तेमाल होने वाले सर्जिकल ब्लेड की आवश्यकता नहीं रहती। हाई-रिजॉल्यूशन 3ऊ इमेजिंग और रोबोटिक लेजर सटीकता को जोड़कर, यह सिस्टम वास्तविक समय में आंख का नक्शा तैयार करता है, जिससे सर्जरी अधिक सुरक्षित होती है और मरीज की दृष्टि में तेजी से सुधार होता है। लॉन्च के अवसर पर महापौर श्रीमती सुजाता सूरज पाटिल ने कहा, नवी मुंबई में 'कैटालिस फेम्टोसेकंड लेजर' प्लेटफॉर्म लाने और नागरिकों के लाभ के लिए लगातार उन्नत चिकित्सा तकनीक में निवेश करने के लिए डॉ. अग्रवाल्स आई हॉस्पिटल को बधाई। ऐसे उन्नत सर्जिकल सिस्टम की उपलब्धता से क्षेत्र में नेत्र देखभाल की गुणवत्ता में काफी सुधार होगा। डॉ. वंदना जैन (चीफ स्ट्रैटेजी ऑफिसर एवं हेड झ्र क्लिनिकल सर्विसेज, वाशी, डॉ. अग्रवाल्स आई हॉस्पिटल) ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा, हमें मोतियाबिंद सर्जरी में इस महत्वपूर्ण प्रगति को नवी मुंबई के लोगों के लिए लाने की खुशी है। फेम्टोसेकंड लेजर सटीकता के साथ, हम अधिक सटीकता और निरंतरता के साथ प्रक्रिया कर सकते हैं, जिसका अर्थ है सुरक्षित सर्जरी, बेहतर दृश्य परिणाम और हमारे मरीजों के लिए तेजी से रिकवरी। विशेष ऑफरः लॉन्च के हिस्से के रूप में, अस्पताल अपने सानपाड़ा, वाशी केंद्र पर सीमित अवधि के लिए मोतियाबिंद जांच पर 50% की छूट और रोबोटिक मोतियाबिंद सर्जरी पर विशेष छूट दे रहा है। इस ऑफर के लिए पंजीकरण करने हेतु मरीज 88501 61736 पर संपर्क कर सकते हैं।

इसुजू मोटर्स इंडिया ने देशभर में ह्यइसुजू आई-केअर प्री-समर कैंप की घोषणा की

मुंबई। इसुजू की बेहतरीन सर्विस और गाड़ी के मालिक बनने का अनुभव प्रदान करने की प्रतिबद्धता को पुनः दोहराने के अपने निरंतर प्रयास के अंतर्गत, इसुजू मोटर्स इंडिया अपनी इसुजू ऊटअ पिक-अप और रवश रेंज के लिए देश भर में एक इसुजू आई-केअर प्री-समर कैंप आयोजित करेगी। इस सर्विस कैंप का उद्देश्य ग्राहकों को इस मौसम में पूरे देश में बिना किसी परेशानी के वाहन चलाने का अनुभव प्रदान करने के लिए आकर्षक लाभ और निवारक रख-रखाव की जाँचों की सुविधा प्रदान करना है। इसुजू केअर की पहल के रूप में, यह प्री-समर कैंप इसुजू के सभी अधिकृत डीलर सर्विस आउटलेट्स पर 23 मार्च से 28 मार्च 2026 (दोनों दिन समेत) के बीच आयोजित किया जायेगा। इस दौरान, ग्राहक अपने वाहनों के लिए विशेष ऑफर और अनेक लाभ उठा सकते हैं। कोयंबटूर, धुले, दिल्ली, डिब्रूगढ़, दीमापुर, दुगार्पुर, एनार्कुलम, गाँधीधाम, गोरखपुर, गुरुग्राम, गुवाहाटी, हावड़ा, हुबली, हैदराबाद, इंदौर (2), जयगांव, जयपुर, जालंधर, जम्मू, जोधपुर, कडप्पा, कलबुर्गी, करनाल, कायमकुलम, खम्मम, कोल्हापुर, कोलकाता, कोट्टायम, कर्नूल, लातूर, एल.बी. नगर (हैदराबाद), लेह, लखनऊ, लुधियाना, मदुरई, मंडी, मंगलुरु, मेहसाणा, मोहाली, मुंबई (नेरुल और बोरीवली), मुंद्रा, मैसूर, नागपुर, नासिक, नेल्लोर, निजामाबाद, नोएडा, पटना, पुणे, रायपुर, राजमुंदरी, राजकोट, रत्नागिरी, सतारा, शिवमोग्गा, सीकर, सिलीगुड़ी, सोलापुर, सूरत, थेनी, त्रिशूर, तिरुनेलवेली, तिरुपति, त्रिची, तिरुवनंतपुरम, वडोदरा, विजयवाड़ा और विशाखापत्तनम में स्थित इसुजू की सभी अधिकृत सेवा सुविधाओं पर आयोजित किया जायेगा।

गोरखपुर में चक्का जाम, बलरामपुर में उबालः राजकुमार चौहान हत्याकांड पर क्षेत्र में जनाक्रोश

बलरामपुर। गोरखपुर में पूर्व पार्षद राजकुमार चौहान की दिनदहाड़े हुई निर्मम हत्या के विरोध में मंगलवार को स्थानीय लोगों ने चक्का जाम कर जोरदार प्रदर्शन किया। आक्रोशित भीड़ ने सड़कों को जाम कर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और हत्यारों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग उठाई।

प्रदर्शन के कारण यातायात बुरी तरह प्रभावित रहा। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया और प्रशासन लगातार हालात पर नजर बनाए हुए है। इस घटना की गूंज बलरामपुर जिले में भी साफ तौर पर देखने को मिल रही है। हालांकि यहां चक्का जाम जैसी स्थिति नहीं बनी, लेकिन चौहान समाज में इस हत्याकांड को लेकर गहरा आक्रोश व्याप्त है। लोग लगातार अपनी नाराजगी व्यक्त कर रहे हैं। इस मामले पर बलरामपुर के समाजसेवी पत्रकार बृजेश चौहान ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि डबल इंजन सरकार लोगों को सुरक्षा देने में पूरी तरह विफल साबित हो रही है। जब जनप्रतिनिधि ही सुरक्षित नहीं हैं, तो आम जनता की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। वहीं उत्तर शक्ति समाचार पत्र के वरिष्ठ पत्रकार नानबाबू चौहान ने भी घटना को बेहद गंभीर बताते हुए कहाकि यह हत्याकांड सिर्फ एक व्यक्ति की हत्या नहीं, बल्कि समाज को दबाने की साजिश प्रतीत होता है। प्रदेश में कानून-व्यवस्था पूरी तरह फेल नजर आ रही है।

पल्लाडियन पार्टनर्स के अनुसार, गुड़ी पाड़वा रियल एस्टेट सेक्टर के लिए साल का पहला बड़ा अवसर

मुंबई। गुड़ी पाड़वा हमेशा से महाराष्ट्र में नई शुरूआत का प्रतीक रहा है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में इसने रियल एस्टेट सेक्टर में भी एक अधिक स्पष्ट भूमिका निभानी शुरू कर दी है। केवल एक सांस्कृतिक मील का पत्थर ही नहीं, बल्कि कैलेंडर वर्ष में घर खरीदने और प्रोजेक्ट लॉन्च के लिए पहला महत्वपूर्ण ट्रिगर बनकर उभर रहा है। श्री पीयूष राम्भिया, मैनेजिंग पार्टनर, पल्लाडियन पार्टनर्स एडवाइजरी लिमिटेड यह बदलाव एकदम से नहीं हुआ है। यह कई उत्सवी चक्रों के दौरान देखे गए लगातार व्यवहारिक पैटर्न का परिणाम है। खरीदार गुड़ी पाड़वा को शुभ खरीदारी से जोड़ते हैं, खासकर घर जैसे बड़े निवेश के फैसलों के साथ। वहीं, डेवलपर्स ने भी इस भावना को समझते हुए अपनी सप्लाई, मार्केटिंग और आउटरीच रणनीतियों को इसके अनुरूप ढाल लिया है। जो कभी एक प्रतीकात्मक अवसर था, वह अब एक सुव्यवस्थित व्यावसायिक अवसर बन चुका है।

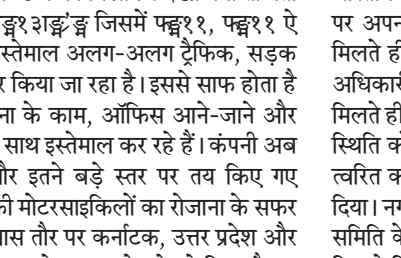

व्यावहारिक रूप से यह अवधि बाजार के लिए एक रीसेट की तरह काम करती है। साल के अंत की क्लोज़िंग, वित्तीय योजना चक्र और साल की अपेक्षाकृत धीमी शुरूआत के बाद, गुड़ी पाड़वा पहली बार वास्तविक तात्कालिकता का एहसास कराता है। यह उन खरीदारों को फिर से सक्रिय करता है जो विकल्पों का मूल्यांकन कर रहे थे और उन्हें निर्णय लेने के करीब लाता है। कई लोगों के लिए यह नए प्रोजेक्ट खोजने के बारे में नहीं होता, बल्कि उन फैसलों को अमल में लाने के बारे में होता है जो महीनों से लंबित थे। इस वर्ष यह भावना ऐसे बाजार के साथ जुड़ी हुई है, जो उत्सव काल में स्थिर गति के साथ प्रवेश कर रहा है। मुंबई और व्यापक मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन (एमएमआर) भारत में हाउसिंग डिमांड को लगातार मजबूती दे रहे हैं। हाल के कुछ तिमाहियों में इस क्षेत्र का शीर्ष सात शहरों की कुल आवासीय बिक्री में लगभग 34% योगदान रहा है, जिससे देश के सबसे सक्रिय प्रॉपर्टी मार्केट के रूप में इसकी स्थिति और मजबूत हुई है। इस तरह की मांग का केंद्रीकरण बेहद महत्वपूर्ण होता है। यह तय करता है कि डेवलपर्स अपने प्रोजेक्ट लॉन्च कैसे प्लान करें, पूंजी का आवंटन कैसे करें और किन बाजारों को प्राथमिकता दें। जब एक ही क्षेत्र राष्ट्रीय बिक्री में इतना बड़ा योगदान देता है, तो स्वाभाविक रूप से वह नए सप्लाई का मुख्य केंद्र बन जाता है।

कन्नौज में अखिलेश यादव का सम्मान, उत्तर यादव युवा संघ के पदाधिकारी रहे

कन्नौज। उत्तर यादव युवा संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजकुमार रामनिहोर यादव द्वारा कन्नौज लोकसभा सांसद, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का सम्मान किया गया। इस सम्मान समारोह को लेकर संगठन के कार्यकताओं और पदाधिकारियों में खासा उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर राजकुमार रामनिहोर यादव ने सभी समाजवादी पार्टी के पदाधिकारियों का हृदय से धन्यवाद और आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह उनके लिए गर्व और सौभाग्य का क्षण है कि उन्हें अखिलेश यादव जैसे जननायक का सम्मान करने का अवसर मिला। कार्यक्रम में उत्तर यादव युवा संघ के कई प्रमुख पदाधिकारी भी उपस्थित रहे, जिनमें राष्ट्रीय प्रवक्ता कैलाश चंद्रधारी यादव, राष्ट्रीय संघ कार्याध्यक्ष अभयराज मुन्नी लाल यादव, राष्ट्रीय सचिव जितेन्द्र जगरदेव यादव सहित अन्य कार्यकर्ता और पदाधिकारी शामिल रहे। कार्यक्रम के दौरान सामाजिक एकता और संगठन की मजबूती पर भी जोर दिया गया, साथ ही भविष्य में समाज के हित में मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया गया।

ओबेन इलेक्ट्रिक बाइक्स पर भरोसा बढ़ा, 3.2 करोड़ किमी का सफर पूरा

मुंबई। भारत की तेजी से आगे बढ़ रही रिसर्च-ड्रिवन इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल कंपनी ओबेन इलेक्ट्रिक ने जानकारी दी कि कंपनी की इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल चलाने वाले राइडर्स ने देशभर में मिलकर 3.2 करोड़ किलोमीटर से ज्यादा दूरी तय कर ली है। कंपनी के अनुसार, राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार के सिर्फ दो साल के भीतर यह उपलब्धि इस बात का संकेत है कि लोग अब ओबेन की मोटरसाइकिलों को रोजाना के सफर के लिए अपने मुख्य वाहन के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। साल 2024 की शुरूआत से अलग-अलग शहरों के डेटा को मिलाकर देखा गया तो पता चला कि कंपनी की डुील्ल फ्ङ्ग११ स्त्रङ्ग१३ङ्ग्ॅङ्ग जिसमें फ्ङ्ग११, फ्ङ्ग११ ऐ और फ्ङ्ग११ ऐ र्ॅ शामिल हैं जिसका इस्तेमाल अलग-अलग ट्रैफिक, सड़क और मौसम की परिस्थितियों में लगातार किया जा रहा है। इससे साफ होता है कि लोग इन मोटरसाइकिलों को रोजाना के काम, ऑफिस आने-जाने और शहर के अंदर सफर के लिए भरोसे के साथ इस्तेमाल कर रहे हैं। कंपनी अब 85 से ज्यादा शहरों में मौजूद है और इतने बड़े स्तर पर तय किए गए किलोमीटर यह दिखाते हैं कि ओबेन की मोटरसाइकिलों का रोजाना के सफर में बड़े पैमाने पर उपयोग हो रहा है। खास तौर पर कर्नाटक, उत्तर प्रदेश और दिल्ली जैसे राज्यों और शहरों में इनका उपयोग ज्यादा देखने को मिला है।

अम्बेडकर प्रतिमा से छेड़छाड़ पर प्रशासन सख्त, कपड़ा हटवाया गया

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले में डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा से छेड़छाड़ का मामला सामने आने के बाद प्रशासन तत्काल हरकत में आ गया। जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए, जिसके बाद नगर पालिका प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर प्रतिमा पर बंधा कपड़ा हटवा दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र आज प्रातः उच्च न्यायालय में एक वाद के संबंध में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने हेतु प्रयागराज के लिए रवाना हुए थे। इसी दौरान उन्हें दूरभाष पर सूचना मिली कि किसी विशेष राजनीतिक दल के कार्यकताओं द्वारा भारतीय संविधान के शिल्पकार भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर अपना एकाधिकार जताते हुए उसे कपड़े से बांध दिया गया है। सूचना मिलते ही जिलाधिकारी ने मामले का तत्काल संज्ञान लिया और अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। निर्देश मिलते ही नगर पालिका की टीम मौके पर पहुंची और प्रतिमा से कपड़ा हटाकर स्थिति को सामान्य किया। प्रशासन ने इस मामले को संवेदनशील मानते हुए त्वरित कार्रवाई के साथ-साथ सामाजिक समरसता बनाए रखने पर भी जोर दिया। नगर पालिका परिषद के अधिकारियों ने डॉ. भीमराव अम्बेडकर सेवा समिति के सदस्यों के साथ समन्वय स्थापित कर सकारात्मक संवाद किया, जिससे किसी भी प्रकार का विवाद या तनाव उत्पन्न न हो।

मुंबई में दैनिक उत्तरशक्ति का 8वां वर्धापन दिवस सम्पन्न, पत्रकारों व विशिष्ट व्यक्तियों का हुआ सम्मान

-आचार्य सूरजपाल यादव

मुंबई । मुंबई के दादर (पूर्व) स्थित रत्नमणि/पारसमणि टावर के तृतीय तल पर स्थित आरजू हॉल में दैनिक उत्तरशक्ति समाचारपत्र एवं उत्तरशक्ति टीवी न्यूज ग्रुप का 8वां स्थापना दिवस अत्यंत हर्षोल्लास, गरिमा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर उत्तरशक्ति परिवार से जुड़े पत्रकारों, संरक्षक मंडल, सहयोगियों एवं समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले विशिष्ट व्यक्तियों को सम्मान-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत पारंपरिक रूप से दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जिसके पश्चात अतिथियों का स्वागत किया गया। इस आयोजन ने न केवल उत्तरशक्ति समूह की 8 वर्षों की सफल यात्रा को रेखांकित किया, बल्कि उसके सामाजिक सरोकारों और पत्रकारिता के प्रति प्रतिबद्धता को भी उजागर किया। दैनिक उत्तरशक्ति समूह के संपादक ओमप्रकाश प्रजापति ने अपने संबोधन में बताया कि 8 वर्ष पूर्व एक छोटे से प्रयास के रूप में शुरू हुआ यह समाचार समूह आज अपने पाठकों और दर्शकों के बीच विश्वास और लोकप्रियता का प्रतीक बन चुका है। उन्होंने कहा कि ह्लदिन दूनी रात चौगुनीह्व प्रगति के साथ उत्तरशक्ति ने पत्रकारिता में निष्पक्षता, सामाजिक सरोकार और जनहित को सर्वोपरि रखा है, जो इसकी सबसे बड़ी ताकत है। कार्यक्रम में पत्रकारों के कल्याण को लेकर कई महत्वपूर्ण योजनाओं की घोषणा की गई। इनमें उत्तरशक्ति से जुड़े पत्रकारों एवं उनके परिवारजनों के लिए बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना, जरूरतमंदों के लिए मुफ्त मोतियाबिंद ऑपरेशन कराना, तथा आपातकालीन स्वास्थ्य सहायता जैसी योजनाएं प्रमुख रहीं। इन पहलों से समूह की अपने सहयोगियों के प्रति संवेदनशीलता और जिम्मेदारी स्पष्ट रूप से झलकती है। इस सफल आयोजन के पीछे सहयोगियों और आयोजकों की अहम भूमिका रही। विशेष रूप से समाजसेवक बाबूभाई भवान जी ने कार्यक्रम के आयोजन, समन्वय और संचालन में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके अथक प्रयासों से कार्यक्रम सुव्यवस्थित, प्रभावशाली और यादगार बन सका। इसके साथ ही उत्तरशक्ति टीम के सभी सदस्यों, स्वयंसेवकों और सहयोगियों ने मिलकर इस आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय भागीदारी निभाई। कार्यक्रम में सांस्कृतिक रंग भी देखने को मिला, जहां आमंत्रित कवियों ने अपनी काव्य रचनाओं के माध्यम से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनकी प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में साहित्यिक और भावनात्मक वातावरण का संचार किया, जिससे उपस्थित जनसमूह ने भरपूर आनंद लिया। समापन अवसर पर उत्तरशक्ति परिवार के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए सभी अतिथियों ने संस्था की निरंतर प्रगति और समाज सेवा के कार्यों को और विस्तार देने का आह्वान किया। यह आयोजन न केवल एक स्थापना दिवस समारोह रहा, बल्कि एक प्रेरणादायक मंच भी साबित हुआ, जहां पत्रकारिता, समाजसेवा और सहयोग की भावना का अद्भुत संगम देखने को मिला। कवि सुरेश मिश्रा, रवि यादव और विनय शर्मा ने अपनी कविताओं से लोगों का मन मोह लिया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथियों में प्रो. राम जन्म प्रजापति, डॉ. प्रो. दयानंद तिवारी, भरत शुक्ला, संजय मिश्रा, प्रबंध संपादक डॉ. शेषधर बिन्द, शरद प्रजापति, सीपी प्रजापति, मुंबई पत्रकार नरेंद्र सोनी, सुरेंद्र यादव रामलाल यादव भिवंडी से आचार्य सूरजपाल यादव, राकेश कहार, सुभाष विश्वकर्मा, धर्मराज प्रजापति, दिलीप प्रजापति, राम जन्म प्रजापति, हरीलाल पाल, रमेश प्रजापति, राजेंद्र प्रसाद प्रजापति, कल्लू गुप्ता, उमेश जैसवार, सरोज केवट, संजीव त्रिपाठी, हिमांशु मिश्रा, सुखविंदर सिंह लाला भाई, जसवंत सिंह, गंगाराम विश्वकर्मा, शीतला सरोज, शशिकांत यादव, प्रमोद यादव, अनिल यादव, अवधेश मिश्रा, रामसेवक केवट अरविंद निषाद, चंदन महाकाल, तारकेश्वर पांडे, मोहित दुबे, नंदकिशोर प्रजापति, राम जनम प्रजापति, रंजू झा, मंगीता कनौजिया, विक्रम दयाल, कैलाश चंद्रधारी यादव, एडवोकेट ओमप्रकाश प्रजापति, जितेंद्र यादव, राम सुरेश प्रजापति समेत उत्तरशक्ति से जुड़े तमाम लोग मौजूद रहे।

वाराणसी: गंगा नदी में इफ्तार पार्टी कर बिरयानी खाने और अवशेष गंगा में फेंकने पर 14 गिरफ्तार

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। काशी में गंगा नदी के बीच नाव पर इफ्तार पार्टी कर चिकन बिरयानी खाने और अवशेष गंगा में फेंकने का आरोप लगाते हुए भारतीय जनता युवा मोर्चा के महानगर अध्यक्ष रजत जायसवाल ने कोतवाली थाने में तहरीर में आरोप लगाया था कि मुस्लिम समुदाय के कुछ युवकों ने गंगा में नाव पर बैठकर इफ्तार के दौरान बिरयानी खाई और बचा हुआ हिस्सा गंगा में फेंक दिया। इस कृत्य से धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। तहरीर के साथ घटना का वीडियो भी साक्ष्य के रूप में उपलब्ध कराया गया है। उनका आरोप है कि इस घटना से आम जनमानस में आक्रोश है। ये जानबूझकर हिंदू भावनाओं को आहत करने की मंशा से किया गया। इसके अलावा उक्त नाव चालक के खिलाफ भी कार्रवाई की जाए और लाइसेंस को निरस्त किया गया। भविष्य में घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। थाना प्रभारी दयाशंकर सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। मामले में 14 युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

अधिवक्ता की हत्या से जौनपुर सुलगा, वकीलों ने ठप किया न्यायिक कामकाज

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अधिवक्ता सच्चिदानन्द मिश्र की बेरहमी से की गई हत्या ने पूरे जनपद को झकझोर दिया है। इस जघन्य वारदात के खिलाफ मंगलवार को कलेक्ट्रेट अधिवक्ता संघ में उबाल देखने को मिला, जहां आक्रोशित वकीलों ने एक स्वर में न्याय की मांग उठाई। संघ की आपात बैठक अध्यक्ष घनश्याम सिंह एडवोकेट की अध्यक्षता में हुई, जबकि संचालन महामंत्री मनोज कुमार मिश्र एडवोकेट ने किया। बैठक में अधिवक्ताओं ने केराकत तहसील में हुई इस घटना को कानून-व्यवस्था की खुली विफलता बताते हुए प्रशासन पर तीखा हमला बोला। वक्ताओं ने कहा कि जब अधिवक्ता ही सुरक्षित नहीं हैं, तो आम जनता की सुरक्षा की कल्पना कैसे की जा सकती है। घटना के विरोध में अधिवक्ताओं ने मंगलवार सुबह 11 बजे से न्यायिक कार्य से पूर्ण रूप से विरत रहने का ऐलान कर दिया। इसके साथ ही सभी वकील कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन करते हुए पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपेंगे।

अधिवक्ताओं ने प्रशासन के सामने कड़ी मांगें रखीं हत्यारोपियों की तत्काल गिरफ्तारी, मृतक के परिवार को सुरक्षा, थानाध्यक्ष केराकत का निलंबन तथा आरोपियों पर सख्त धाराओं में मुकदमा दर्ज किया जाए। अधिवक्ता समाज ने साफ चेतावनी दी कि जब तक दोषियों को गिरफ्तार कर पीड़ित परिवार को न्याय नहीं मिलता, तब तक उनका आंदोलन थमने वाला नहीं है। इस घटना ने न केवल अधिवक्ता समाज, बल्कि पूरे जनपद में आक्रोश की लहर पैदा कर दी है।

महज 16 साल की नाबालिक लड़की से जिस्मफरोशी कराने वाली महिला एजेंट को क्राइम ब्रांच ने किया गिरफ्तार

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड काशी गांव पुलिस स्टेशन अंतर्गत का मामला है। जहां से एक महिला एजेंट को गिरफ्तार किया गया, और दो पीडीत लड़कीयों को सुरक्षित बचाया गया। जिसका उम्र 16 से 21 वर्ष बताई जा रही है, महिला एजेंट भिवंडी के ऑर्केस्ट्रा बार में काम करने वाली लडकियो से मीरा रोड में करवा रही थी देहव्यापार का कारोबार। आज महाराष्ट्र के ठाणे जिले के मीरा भायंदर वसई विरार पुलिस आयुक्तालय के मीरा रोड ईस्ट के काशीगांव पुलिस स्टेशन की हद में घोड़बंदर रोड,वसोर्वा गांव के पास एक महिला एजेंट माइनर और मेजर लडकीयों के फोटो ग्राहकों को भेजकर जिस्मफरोशी का कारोबार चला रही है। यह गुप्त सूचना मुंबई के एनजीओ से मिली थी, इसके बाद महिला अत्याचार प्रतिबंधक विशेष बालकांचे संरक्षण व काळजी कक्ष मि. भा. व. वि की सीनीयर पीआई शीतल मुंढे, (क्राइम ब्रांच)और उनकी टीम ने बोगस ग्राहक और पंच को भेज छापा मारकर एक महिला एजेंट को हिरासत में ले लिया, जिसमें दो पीडीत लडकीयो को देहव्यापार के दलदल से बचाया। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि गिरफ़्तार महिला एजेंट ने वेश्यावृत्ति का गैरकानूनी नेटवर्क कैसे तैयार किया, महिला एजेंट ने माइनर लडकी को किसी ग्राहक के साथ लॉजिंग बॉडिंग या ऑर्केस्ट्रा बार में तो नहीं भेजा प्रारंभिक जांच से संकेत मिल रहे हैं कि यह मामला किसी बड़े जिस्मफरोशी के रैकेट से जुड़ा हो सकता है। महीला एजेंट ग्राहकों को ऑर्केस्ट्रा बार में काम करने वाली लडकीयो के फोटों भेजकर देहव्यापार का कारोबार चला रही थी, और इस गिरफ्तार महीला आरोपी का कोई और साथीदार तो नहीं है इसकी भी जांच पड़ताल क्राइम ब्रांच की टिम कर रही हैं। सीनीयर पीआई शीतल मुंढे, और उनकी टीम मानव तस्करी और देहव्यापार जैसे घिनौने अपराधों के खिलाफ सख्त संदेश देती है। गिरफ्तार महिला एजेंट के उपर इठर , पोक्सो और पीटा एक्ट कायदा के तहत कानूनी कारवाई करके दोनों पीडीत लडकीयो को महिला सुधारगृह में भेजने तथा महीला आरोपी के उपर इठर, पोक्सो और पिटा एक्ट के तहत कानूनी कारवाई एमबीवीवी पुलिस आयुक्तालय के वरिष्ठ अधिकारियों, क्राइम ब्रांच डीसीप संदीप डोईफोडे, एसीपी मदन बल्लाल के मार्गदर्शन में महिला अत्याचार प्रतिबंधक विशेष बालकाचे संरक्षण व कालाजी कक्ष मीरा भायंदर वसई विरार की सीनियर पीआई शीतल मुंडे, पीएस आईं प्रकाश तुपलोंडे, पीएस आईं संदीप शिंदे, एएसआई राजाराम आसवाले, महिला पुलिस एएसआई देशमुख, एच सी निशिगंधा मांजरेकर, शीतल जाधव, पीसी ललित पाटील, और क्राइम ब्रांच की टीम ने कारवाई किया है, आगे की तपास काशीगांव पुलिस स्टेशन की टीम कर रही हैं।

केराकत: सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा हटाया, पक्की बाउंड्री वाल ध्वस्त

केराकत, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। नगर पंचायत केराकत के मोहल्ला सिपाह प्रथम वार्ड नंबर (9) में स्थित राजस्व मौजा सिहौली में पड़नें वाले सरकारी जमीन पर अवैध रूप से पीलर देकर बनाई गई पक्की बाउंड्री वाल को मंगलवार को प्रशासन के निर्देश पर कब्जेदार ने स्वयं ध्वस्त कर दिया। यह कार्रवाई तहसीलदार के निर्देश पर कस्बा लेखपाल राजेश कुमार श्रीवास्तव की मौजूदगी में संपन्न हुई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मोहल्ला सिपाह प्रथम वार्ड नंबर (9) राजस्व मौजा सिहौली में पड़नें वाले आराजी संख्या 570 पर वर्षों से बांस का घना कोट उगा हुआ था। मोहल्ला के ही निवासी हाफिज मुनीर अंसारी ने इस बांस को अवैध तरीके से कटवाकर बेच दिया और उक्त भूमि पर लगभग 60 फीट लंबी व 12 फीट चौड़ी पक्की बाउंड्री वाल खड़ी कर ली। इस बेशकीमती सरकारी जमीन पर धीरे-धीरे कब्जा जमाने की उसकी सुनियोजित कोशिश थी।

स्थानीय नागरिकों ने जब इसकी शिकायत की तो केराकत तहसील के हल्का लेखपाल राजेश कुमार श्रीवास्तव ने मौके का मुआयना कर तहसीलदार को अवैध कब्जे की विस्तृत रिपोर्ट भेजी। रिपोर्ट मिलते ही तहसीलदार ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अवैध निर्माण को गिराने के आदेश दिए।क्षेत्रीय नागरिकों ने प्रशासन की इस कार्रवाई की सराहना की। कहा कि सरकारी संपत्ति की इसी तरह सुरक्षा होती रहनी चाहिए।

डाला में मलीन बस्ती के हित में बैठक, हाईकोर्ट के फैसले पर जताया आभार

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। नगर पंचायत डाला बाजार के वार्ड नंबर दो स्थित हनुमान मंदिर परिसर में वनवासी सामाजिक विकास सेवा समिति द्वारा एक जागरूकता बैठक आयोजित की गई। बैठक का नेतृत्व लक्ष्मण कुशवाहा ने किया। मिली जानकारी के अनुसार, 16 मार्च को उच्च न्यायालय इलाहाबाद द्वारा मलीन बस्ती के हित में दिए गए निर्णय के संदर्भ में यह बैठक बुलाई गई थी। बैठक का उद्देश्य बस्तीवासियों को निर्णय की जानकारी देना और उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना था। वक्ताओं ने बारी-बारी से उच्च न्यायालय के निर्णय पर चर्चा करते हुए जिला प्रशासन और संबंधित अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह निर्णय मलीन बस्ती में रहने वाले लोगों के लिए राहत भरा है। बैठक का संचालन मदन मोहन उर्फ पिंटू साहनी ने किया। इस दौरान मदन अग्रहरि, मंगला प्रसाद जायसवाल, बबूदर पाठक, पारसनाथ यादव, राणा सुभाष, राव अंबेडकर, नागेंद्र पासवान, अवधेश चौहान, हरे राम गुप्ता, उमेश मेहता, विजय जायसवाल, अवनीश देव पांडेय, हरिश्चंद्र सिंह, रामप्रवेश मेहता, गणेश त्रिपाठी, इसहाक अंसारी, संतोष कुमार कुशवाहा, रमेश कुशवाहा सहित सैकड़ों महिला-पुरुष उपस्थित रहे।

रमजान में उपवास रखना इस्लाम के 5 स्तम्भों में से एक है: सत्य प्रकाश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पवित्र रमजान माह उपवास, उपासना, सेवा, सामूहिक मिलन और आध्यात्मिक विकास का महीना होता है। रमजान में उपवास रखना इस्लाम के 5 स्तम्भों में से एक है। उक्त बातें मुम्बई हाई कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता एवं जौनपुर के मां मैहर देवी शक्तिपीठ के प्रधान न्यासी सत्य प्रकाश गुप्ता ने प्रेस को जारी बयान में कही। उन्होंने आगे कहा कि ₹रमजान मुबारक है जिसका अर्थ ₹शुभ रमजान₹ होता है। साथ ही इसको ₹रमजान करीम (आपका रमजान उदार हो) भी कह सकते हैं। यह पारम्परिक और सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाले अभिवादन हैं जो प्रेम, शान्ति और अल्लाह की रहमतों की कामना करते हैं। उन्होंने कहा कि रोजा (उपवास) जिसमें सुबह से शाम तक खाने-पीने और बुराइयों से दूर रहना, नमाज और कुरान जिसमें तरावीह जैसी विशेष नमाजें और कुरान की तिलावत पर जोर, जकात और सदका यानी गरीबों और जरूरतमन्दों की मदद और आत्म-नियंत्रण (सब्र) जिसमें झूठ, गुस्सा और बुरी बातों से बचना शामिल है। यह सब आध्यात्मिक शुद्धि और अल्लाह के करीब जाने का मार्ग है। अन्त में मैहर मन्दिर के प्रधान न्यासी ने समस्त लोगों से उक्त त्योहारों को आपसी भाईचारा, सौहार्द एवं परम्परागत ढंग से मनाने की अपील किया है।

डॉ. एसपी सिंह का निधन सम्पूर्ण समाज के लिए अपूरणीय क्षति : डॉ आरके पटेल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मड़ियाहूँ विधानसभा क्षेत्र के कोदैला ग्रामसभा निवासी एवं प्रख्यात वैज्ञानिक डॉ. एस.पी. सिंह के निधन से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। मंगलवार को विधायक डॉ. आरके पटेल ने उनके आवास पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की और शोकाकुल परिजनों से मिलकर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। मड़ियाहूँ क्षेत्र के कोदैला ग्रामसभा निवासी अनिल सिंह के पिता एवं प्रख्यात वैज्ञानिक डॉ. एस.पी. सिंह के निधन का समाचार मिलते ही क्षेत्र में शोक व्याप्त हो गया। विधायक उनके आवास पहुंचे और श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान विधायक ने परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया और हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि डॉ. एस.पी. सिंह का जीवन समाज और विज्ञान के क्षेत्र में प्रेरणादायक रहा है। डॉ. एस.पी. सिंह का निधन अत्यंत दुःखद है। उन्होंने अपने ज्ञान और कार्यों से समाज को नई दिशा दी। उनका जाना हम सभी के लिए अपूरणीय क्षति है। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और शोक संतप्त परिजनों को इस दुःख को सहने की शक्ति दें।

सबका साथ सबका विकास और सबका विश्वास के मूलमंत्र पर काम कर रही सरकार: रमेश सिंह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज विधानसभा क्षेत्र के मंडल जमुनिया अंतर्गत ग्रामसभा निजामपुर में आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के प्रथम सत्र के द्वितीय दिवस में सोमवार को विधायक रमेश सिंह मुख्य रूप से शामिल हुए। विधायक रमेश सिंह ने ₹सरकार की उपलब्धियां एवं क्रियान्वयन विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकारें सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयासह्व के मूल मंत्र के साथ कार्य कर रही हैं। समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंचाने के लिए संकल्पित हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए संगठन की नीतियों, विचारधारा और संगठन विस्तार के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती ही पार्टी की सबसे बड़ी ताकत है और यही हमें निरंतर आगे बढ़ाती है। विधायक ने उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं, ऐतिहासिक निर्णयों और विभिन्न विकास कार्यों की जानकारी भी कार्यकताओं के साथ साझा की। विधायक ने कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे सरकार की उपलब्धियों और योजनाओं को जन-जन तक प्रभावी रूप से पहुंचाएं। संगठन को और अधिक मजबूत बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

केराकत कोतवाली को मिला तेज तरार प्रभारी निरीक्षक अरविन्द कुमार पाण्डेय को कमान

केराकत ,जौनपुर (उत्तरशक्ति) क्षेत्र की कानून-व्यवस्था को नई दिशा देने के उद्देश्य से मंगलवार को एक अहम प्रशासनिक बदलाव देखने को मिला, जब नवागत प्रभारी निरीक्षक अरविन्द कुमार पाण्डेय ने केराकत कोतवाली का विधिवत पदभार ग्रहण किया। दोपहर में कोतवाली पहुंचते ही उन्होंने चार्ज लेते हुए तत्काल सक्रियता का परिचय दिया और थाना प्रशासन की कार्यप्रणाली का जायजा लेना शुरू कर दिया। पदभार संभालने के बाद प्रभारी निरीक्षक श्री पाण्डेय ने सबसे पहले थाने में तैनात पुलिसकर्मियों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने बीटवार गांवों की स्थिति, थाना क्षेत्र की संवेदनशीलता, उपलब्ध पुलिस बल की संख्या, तथा अवकाश पर गए सिपाहियों की जानकारी विस्तार से ली। उन्होंने स्पष्ट संकेत दिया कि क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए हर स्तर पर निगरानी बढ़ाई जाएगी। अपने संबोधन में नवागत प्रभारी निरीक्षक ने कहा कि उनकी पहली प्राथमिकता पीड़ितों को त्वरित न्याय दिलाना और अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना है। उन्होंने पुलिसकर्मियों को निर्देशित किया कि वे जनता के साथ बेहतर संवाद बनाए रखें और हर शिकायत को गंभीरता से लें। उन्होंने यह भी कहा कि कानून-व्यवस्था के साथ किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। स्थानीय नागरिकों और जनप्रतिनिधियों को भी इस बदलाव से उम्मीदें हैं कि नए प्रभारी निरीक्षक के नेतृत्व में क्षेत्र में अपराध पर अंकुश लगेगा और आम जनता को बेहतर सुरक्षा का अनुभव होगा।

प्रदेश में एलपीजी का पर्याप्त स्टॉक, सप्लाई पूरी तरह सामान्य

-सुरेश गांधी

वाराणसी. प्रदेश में रसोई गैस की कमी को लेकर चल रही चचाओं के बीच भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य सरवर सिद्दीकी ने स्थिति पूरी तरह स्पष्ट करते हुए कहा है कि एलपीजी सिलेंडर की कोई कमी नहीं है। उन्होंने दावा किया कि तेल कंपनियों और अधिकृत गैस एजेंसियों के पास पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और सप्लाई चेन पूरी तरह सुचारू रूप से काम कर रही है।

उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में कुछ स्थानों पर जानबूझकर गैस संकट की अफवाहें फैलाई जा रही हैं, जिनका वास्तविकता से कोई संबंध नहीं है। सिद्दीकी ने सीधे तौर पर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस से जुड़े कुछ लोगों पर आरोप लगाया कि वे राजनीतिक लाभ के लिए जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं।

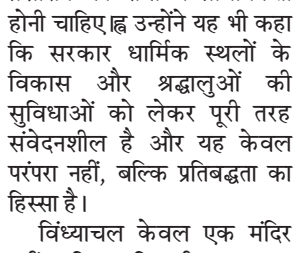

सिद्दीकी के मुताबिक, प्रदेश सरकार और संबंधित विभाग लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। हर जिले में गैस एजेंसियों को निर्देश दिए गए हैं कि उपभोक्ताओं को समय पर सिलेंडर की डिलीवरी सुनिश्चित की जाए और किसी भी प्रकार की कृत्रिम किल्लत न होने दी जाए। उन्होंने कहा कि यदि कहीं डिमांड बढ़ती भी है, तो उसे तत्काल अतिरिक्त आपूर्ति के जरिए संतुलित किया जा रहा है। उन्होंने आम जनता से अपील की कि वे किसी भी तरह की अफवाहों से दूर रहें और घबराकर अतिरिक्त सिलेंडर बुक न करें, क्योंकि इससे अनावश्यक दबाव बनता है। सिद्दीकी ने भरोसा दिलाया कि सरकार पूरी तरह सतर्क है और हर घर तक बिना किसी बाधा के गैस आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने कहा कि अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ प्रशासन सख्ती बरत सकता है, ताकि व्यवस्था को बाधित करने की कोशिशों पर रोक लगाई जा सके।

सीएम योगी ने मां विंध्यवासिनी धाम में टेका माथा, नवरात्र मेले की तैयारियों का जाना हाल

मिजार्पुर। आस्था, प्रशासन और व्यवस्था–इन तीनों के संगम का जीवंत दृश्य मंगलवार को विंध्याचल धाम में देखने को मिला, जब प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मां विंध्यवासिनी के दरबार में पहुंचे। चैत्र नवरात्र से ठीक पहले उनका यह दौरा न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण रहा, बल्कि प्रशासनिक तैयारी की कसौटी पर भी इसे एक निर्णायक पड़ाव माना जा रहा है। सुबह लगभग 10:45 बजे मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर मोतिया झील स्थित हेलीपैड पर उतरा। जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने उनका स्वागत किया, लेकिन मुख्यमंत्री का पहला कदम सीधे आस्था की ओर बढ़ा–मां विंध्यवासिनी मंदिर के गर्भगृह में पहुंचकर उन्होंने विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच संपन्न इस पूजन में केवल एक श्रद्धालु नहीं, बल्कि प्रदेश का मुखिया भी एक साधक के रूप में नजर आया। विंध्याचल में नवरात्र केवल पूजा का पर्व नहीं, बल्कि जनआस्था का महासंगम है। 25 लाख से अधिक श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ के बीच मुख्यमंत्री का यह दौरा प्रशासन के लिए एक स्पष्ट संदेश है–आस्था के इस महासागर में व्यवस्था की नाव डगमगानी नहीं चाहिए। चैत्र नवरात्र का आगमन जैसे-जैसे निकट आ रहा है, विंध्याचल धाम में श्रद्धालुओं की संख्या को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। हर वर्ष यहां लगभग 25 लाख से अधिक श्रद्धालु मां के दर्शन के लिए उमड़ते हैं। यही कारण है कि मुख्यमंत्री ने स्वयं नवरात्र मेले की तैयारियों की समीक्षा की। जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार ने मुख्यमंत्री को सुरक्षा, स्वच्छता, यातायात प्रबंधन, पेयजल, चिकित्सा और ठहरने की व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि ह्लश्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, यह प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।ह्व उन्होंने यह भी कहा कि सरकार धार्मिक स्थलों के विकास और श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर पूरी तरह संवेदनशील है और यह केवल परंपरा नहीं, बल्कि प्रतिबद्धता का हिस्सा है।

विंध्याचल केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि शक्ति की साधना का वह केंद्र है जहां हर कदम पर आस्था स्पंदित होती है। नवरात्र के दौरान यहां का दृश्य किसी आध्यात्मिक महासागर से कम नहीं होता–घंटों लंबी कतारें, ह्लजय मां विंध्यवासिनीह्व के उद्घोष, और श्रद्धा से भरे चेहरे। यहां आने वाले श्रद्धालु केवल दर्शन ही नहीं, बल्कि आत्मिक ऊर्जा की अनुभूति के लिए भी आते हैं। यही कारण है कि विंध्याचल धाम देश के प्रमुख शक्तिपीठों में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है।

विंध्य कॉरिडोर के निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री का एक अलग ही रूप देखने को मिला। उन्होंने वहां मौजूद बच्चों से मुलाकात की, उन्हें चॉकलेट दी और पढ़ाई के बारे में पूछा। साथ ही मोबाइल के सीमित उपयोग की सीख देकर एक संरक्षक की भूमिका भी निभाई।

मंदिर दर्शन और समीक्षा बैठक के बाद मुख्यमंत्री मड़िहान क्षेत्र के देवरी कला स्थित निमार्णाधीन मां विंध्यवासिनी राज्य विश्वविद्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने प्रशासनिक भवन और छात्रावास का निरीक्षण किया। अधिकारियों के साथ बैठक में उन्होंने निर्माण कार्यों को समयबद्ध और गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए। कुलपति प्रो. शोभा गौड़ से शिक्षण व्यवस्था की जानकारी लेते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि शिक्षा और आस्था, दोनों का संतुलित विकास ही क्षेत्र को नई पहचान देगा।

नवरात्र के दौरान विंध्याचल में उमड़ने वाली भीड़ प्रशासन के लिए एक बड़ी चुनौती होती है। लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण, ट्रैफिक मैनेजमेंट और स्वच्छता जैसे मुद्दे हर वर्ष परीक्षा लेते हैं। इस बार मुख्यमंत्री के सीधे हस्तक्षेप और निगरानी से उम्मीद की जा रही है कि व्यवस्थाएं पहले से अधिक सुदृढ़ होंगी। विशेष रूप से– सीसीटीवी निगरानी और सुरक्षा बलों की तैनाती. स्वच्छता अभियान और कूड़ा प्रबंधन. सुचारु यातायात व्यवस्था. श्रद्धालुओं के लिए पेयजल और चिकित्सा सुविधा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

विंध्याचल का नवरात्र मेला केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि आस्था का विराट उत्सव है, जहां करोड़ों भावनाएं एक साथ प्रवाहित होती हैं। मुख्यमंत्री का यह दौरा इस बात का संकेत है कि सरकार इस उत्सव को न केवल भव्य, बल्कि व्यवस्थित और सुरक्षित बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। दोपहर लगभग 3 बजे मुख्यमंत्री लखनऊ के लिए रवाना हो गए, लेकिन उनके निर्देश और समीक्षा आने वाले नवरात्र मेले की दिशा तय कर गए।